A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 25 मई, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 232, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व

डॉ. मोहन यादव

(लेखक - मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म में नदियों को मात्र जल स्रोत नहीं, बल्कि देवी के रूप में पूजा जाता है। इनमें गंगा का स्थान सर्वोपरि है। गंगा दशहरा या गंगावतरण ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है। इस दिन को गंगा दशहरा, गंगा दशमी या दशहरा के नाम से जाना जाता है। यह पर्व गंगा नदी के पृथ्वी पर अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल, गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व है.

गंगा यानी पवित्र-साफ जल के इसी महत्व को समझते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने जल को विकास का प्रमुख पैरामीटर बनाते हुए हर घर जल और जल है तो कल है के संकल्प को साकार किया। उनके नेतृत्व में जल शक्ति मंत्रालय का गठन, जल जीवन मिशन, नमामी गंगे, अमृत सरोवर मिशन और जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल हुईं, जिन्होंने देश की जल सुरक्षा को नई दिशा दी है।

अमृत सरोवर योजना ने जल संरक्षण को नया आयाम दिया। प्रत्येक जिले में 75 जलाशयों के निर्माण या पुनरुद्धार का लक्ष्य रखा गया। अब तक 70 हजार से अधिक अमृत सरोवर तैयार हो चुके हैं। इनसे वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और सिंचाई सुविधा बढ़ी है। यह मिशन आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है और सामुदायिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। नमामी गंगे परियोजना, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, नदी फ्रंट विकास और जैव विविधता संरक्षण के कार्य भी हो रहे हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत प्रति बूंद अधिक फसल का मंत्र दिया गया, जिसमें ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला। कैच द रेन अभियान ने वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन बनाया। प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा कि पानी बचाना स्वच्छ भारत मिशन की तरह सामूहिक दायित्व है। उनके मार्गदर्शन में लाखों जल संरचनाएं बनीं, चेकडैम, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार हुआ।

इन प्रयासों का परिणाम साफ दिखता है। भूजल रिचार्ज बढ़ा है, ओवर-एक्सप्लॉइटेड इकाइयों की संख्या घटी है और कई जिलों में जल संकट कम हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का विजन केवल बुनियादी ढांचा निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि जल संरक्षण को संस्कृति और आदत बनाने का है। वे बच्चों को वाटर वॉरियर्स बनाने और समाज को जिम्मेदार बनाने पर जोर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण भारत की विकास यात्रा का अभिन्न अंग बन गया है। ये प्रयास न केवल वर्तमान की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल-समृद्ध भारत का आधार तैयार कर रहे हैं। जल संरक्षण अब मात्र नीति नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बन चुका है।

मध्यप्रदेश भी, जिसे प्राकृतिक जल संसाधनों से समृद्ध माना जाता है, जल संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल कर रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक राज्य स्तरीय जन आंदोलन है। वर्ष 2025 में यह अभियान 19 मार्च से 30 जून तक चलाया गया। चालू वर्ष-2026 में भी यह अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन करना है, ताकि प्रदेश जल संकट से मुक्त हो सके। अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों, चेकडैम और अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, गहरीकरण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। नए जल स्रोतों का निर्माण, वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और पुरानी जल संरचनाओं का पुनरुद्धार अभियान के प्रमुख स्तंभ हैं। प्रदेश में 10 हजार से अधिक चेकडैम और स्टॉपडैम के संधारण, हजारों तालाबों के गहरीकरण, नई जल संरचनाओं का निर्माण और लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। यहां की अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि जल पर निर्भर है। बढ़ती जनसंख्या, अनियमित वर्षा, भूजल स्तर में गिरावट और जल प्रदूषण ने जल संकट को गहरा दिया है। इस अभियान का महत्व इन्हीं चुनौतियों के समाधान में निहित है।

अभियान से वर्षा जल का अधिकतम संचयन होता है, जिससे सिंचाई सुविधा बढ़ती है। भूजल स्तर में वृद्धि से सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भी फसल उत्पादन संभव होता है। खेत तालाबों, रिज-टू-वैली मॉडल और जल संरक्षण संरचनाओं से किसानों की आय बढ़ रही है।

मध्यप्रदेश में प्राचीन बावड़ियां, तालाब और जल संरचनाएं सांस्कृतिक धरोहर हैं। उनका जीर्णोद्धार सांस्कृतिक गौरव बढ़ाता है और पर्यटन को बढ़ावा देता है।अभियान जनभागीदारी पर आधारित है। पानी चौपाल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को कम पानी वाली फसलें, ड्रिप सिंचाई और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इससे जल संरक्षण की संस्कृति विकसित हो रही है। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी से सामुदायिक जिम्मेदारी बढ़ रही है।

इस अभियान से मध्यप्रदेश जल संरक्षण में देश का अग्रणी राज्य बन रहा है। अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में भारी वृद्धि, नदियों का पुनःप्रवाह और लाखों जल संरचनाओं का निर्माण राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

यह अभियान केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यह जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने में सफल हो रहा है।यह मध्यप्रदेश के भविष्य की नींव है। यह हमें सिखाता है कि जल ही जीवन है और उसकी रक्षा हमारा दायित्व है। यदि हम आज जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां समृद्ध जल संसाधनों का उपयोग कर सकेंगी। प्रदेशवासियों को इस अभियान से जुड़कर जल संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। स्वच्छ, समृद्ध और जल-सम्पन्न मध्यप्रदेश का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक इसमें अपना योगदान देगा।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

पहले
मिलते थे/रुकते थे
अभिवादन करते थे
घंटों बतियाते थे
आबोहवा
के बारे में..
अब
मिलते हैं
पर रुकते नहीं
सोचते है
रुकेंगे, मिलेंगे
क्या बात करेंगे ?
पता नहीं
इन दिनों
क्या हुआ है
न बची है
आब
न बह रही
हवा है !!

- संदीप राशिनकर

दुनिया से खत्म होगा तेल-गैस का संकट!

शियादेश ने कर दिया है होर्मुज खोलने का इशारा

अमेरिका-ईरान के बीच जल्द समझौते के आसार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में युद्ध के चलते दुनियाभर में छाया ऊर्जा संकट खत्म हो सकता है। अमेरिका-ईरान में शांति समझौता होने और होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने के संकेत मिल रहे हैं। ईरान ने रविवार को कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की संख्या 30 दिनों के भीतर युद्ध-पूर्व के स्तर पर लौट आएगी। यानी एक महीने में उसी तरह से इस समुद्री गलियारे से जहाज और तेल टैंकर गुजरने लगेंगे, जैसे 28 फरवरी से पहले गुजर रहे थे। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से बताया है कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर तक एक महीने में ठीक होने की उम्मीद है। 28 फरवरी को इजरायल-अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही में भारी गिरावट आई है। ईरान ने हमलों के बाद इस समुद्री रूट से यातायात रोक दिया था।

होर्मुज बाधा से दुनिया में संकट

ईरान में युद्ध शुरू होने यानी 28 फरवरी से पहले हर दिन होर्मुज स्ट्रेट से 125 से 140 जहाज गुजरते थे।ईरान की रोक और अमेरिकी नेवी की ओर से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी ने इस रूट को तकरीबन बंद कर दिया था।इससे दुनिया के बड़े हिस्से, खासतौर से भारत और उसके पड़ोसी देशों को खाड़ी देशों से आने वाला तेल और गैस नहीं मिल सका है और उनको ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा है।भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को संकेत दिया कि ईरान के साथ चल रही बातचीत में बड़ी सफलता मिल सकती है।उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से अच्छी खबर आने की उम्मीद जताई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश ईरान के साथ समझौता करने के बहुत करीब हैं, जिससे युद्ध खत्म होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा। ईरान और अमेरिका के बीच 8 अप्रैल को अस्थायी सीजफायर हुआ था।इसके बाद से मध्यस्थ दोनों पक्षों में समझौते की कोशिश कर रहे हैं।पाकिस्तान दोनों देशों में मुख्य मध्यस्थ है।पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और सरकार के मंत्रियों ने हालिया दिनों में लगातार ईरान की यात्राएं की हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वेद आगम संस्कृत महा पाठशाला बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम (श्री श्री गुरुकुल) में विद्यार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री का वेद आगम संस्कृत महा पाठशाला बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम (श्री श्री गुरुकुल) में पारम्परिक रूप से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने आज बेंगलुरु के लोक भवन में स्मृति चिन्ह भेंट किया।

प्रदेश में जल संरक्षण के कार्यों में श्रमदान कर मनेगा गंगा दशहरा

जल गंगा संवर्धन अभियान बनेगा जन आंदोलन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण वर्तमान और भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिसके लिए समाज के हर वर्ग की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया है कि हिंदू संस्कृतिमें पूरी श्रद्धा के साथ मनाए जाने वाले गंगा दशहरा पर्व के पावन अवसर पर प्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान को व्यापक जनभागीदारी आधारित एक बड़ा जन-आंदोलन बनाया जाए। इसी दूरगामी विजन के अनुक्रम में सोमवार, 25 मई को प्रदेश के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जल संरक्षण गतिविधियों और भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे जन-जन को इस पुनीत कार्य से सीधे जोड़ा जा सके। सभी प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में जनसमुदाय और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से स्थानीय कुओं, नहरों, बावड़ियों और तालाबों की साफ-सफाई, घाटों की स्वच्छता और पुराने बंद पड़े बोरवेल के पास रिचार्ज पिट निर्माण जैसे जलसंरक्षण के कार्यों में श्रमदान के लिए प्रेरित करेंगे।

उज्जैन में भव्य शिप्रा तीर्थ परिक्रमा- मुख्यमंत्री चढ़ाएंगे 300 फीट की चुनरी

इसी कड़ी में, उज्जैन में गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा 25 और 26 मई को दो दिवसीय भव्य शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जा रहा है, जो व्यापक जनभागीदारी का एक अनुपम उदाहरण बनेगा। यह महत्वपूर्ण परिक्रमा रामघाट से प्रारंभ होकर नृसिंहघाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, महामृत्युंजय द्वार और प्रशांतिधाम शनि मंदिर से होते हुए दत्तअखाड़ा घाट पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन, गंगा दशमी के अवसर पर यह परिक्रमा रणजीत हनुमान मंदिर, भैरवगढ़, सिद्धवट, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, गढ़कालिका और गोपाल मंदिर से होते हुए पुनः रामघाट पर पहुंचकर संपन्न होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा स्वयं माँ शिप्रा को 300 फीट की चुनरी अर्पित की जाएगी। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए रामघाट पर पंडित ढोली बुवा द्वारा 17 मई से प्रतिदिन सायं 7:30 बजे हरिकथा का गायन किया जा रहा है। दत्तअखाड़ा घाट पर आयोजित भजन संध्या में इंदौर के श्रेयश शुक्ला और जबलपुर की लोक गायिका संजो बघेल भजनों की प्रस्तुति देंगे।

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटों से जीती बीजेपी

जहांगीर खान के सरेंडर के बाद फाल्टा में बम-बम

टीएमसी का हुआ सूपड़ा साफ, चौथे नंबर पर रही पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में प्रतिष्ठा का प्रश्न बनी डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र में आने वाली फाल्टा सीट पर बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की है। रविवार को री-पोलिंग के बाद ईवीएम खुलीं तो बीजेपी ने शुरुआत से लेकर अंत तक बढ़त बनाए रखी। इस सीट से चुनाव लड़े जहांगीर खान के सरेंडर करने पर तृणमूल कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। पार्टी चौथे नंबर पर रही। बीजेपी के उम्मीदवार देबांशु पांडा ने 22 राउंड की मतगणना के बाद 1 लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज की। वह बंगाल में सबसे ज्यादा वोटों के अंतर से जीतने वाले विधायक बन गए हैं।

देबांशु पांडा बोले-खत्म हो गया 'पुष्पा राज'

फाल्टा सीट से जीत दर्ज करने के बाद बीजेपी के उम्मीदवार देबांशु पांडा ने कहा कि पुष्पा राज अब अतीत की बात है और पुष्पा का दौर खत्म हो चुका है। अब आम लोगों का युग शुरू हो रहा है। हमारे राज्य में अब असली विकास आएगा। बंगाल चुनावों में जब जहांगीर खान का यूपी के आईपीएस अजय पाल शर्मा से टकराव हुआ था तब शर्मा को सिंघम बताए जाने पर जहांगीर ने खुद की तुलना पुष्पा से की थी और कहा कि वह पुष्पा हैं नहीं झुकेंगे। देबांशु पांडा ने 108367 वोटों से जीत दर्ज की है।

भाजपा ने दर्ज की सबसे बड़ी जीत

पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने फाल्टा सीट पर सबसे बड़ी जीत दर्ज है। पार्टी के उम्मीदवार देबांशु पांडा 1 लाख 8 हजार वोटों के अंतराल से जीते इससे पहले माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र आनंदमय बर्मन 104,265 वोटों के अंतर से जीते थे। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने बड़ी जीत पर मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के 144 फाल्टा विधानसभा में दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले गए थे। तब वोटिंग के दौरान कुछ ईवीएम में बीजेपी कैंडीडेट के सामने की बटन पर टेप चिपका हुआ पाया गया था। इसके बाद आयोग ने पूरी विधानसभा का मतदान रद्द कर दिया था। 4 मईको 293 विधानसभा के नतीजों में बीजेपी को 207 सीटें मिली थीं। इसके बाद 21 मई को फाल्टा में री-पोलिंग हुई थी, लेकिन प्रचार के आखिरी दिन खुद को पुष्पा के तौर पर पेश कर रहे टीएमसी कैंडीडेट जहांगीर खान ने चुनाव से अलग कर लिया था। इसके बाद से इस सीट पर बीजेपी की बड़ी जीत तय मानी जा रही थी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 25 मई 2026

‘ जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है। ’

चाणक्य नीति

मप्र में गिद्धों की गिनती, फाइनल होगी संख्या

16 टाइगर रिजर्व में भी गिने जाएंगे गिद्ध; 14 हजार के पार हो सकते हैं

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में ऑनलाइन एप के जरिए गिद्धों की गिनती की जा रही है। रविवार को तीसरे दिन भी गिनती होगी। इसके बाद उनकी संख्या को लेकर तस्वीर साफ होगी। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार गिद्धों की संख्या 14 हजार के पार पहुंचने का अनुमान है।

पिछली गणना में 12 हजार 981 गिद्ध मिले थे। पन्ना में लाल सिर और वन विहार नेशनल पार्क में सफेद पीठ वाले गिद्ध पाए गए हैं। पिछले 10 साल में इनकी संख्या दोगुनी हुई है। बता दें कि एमपी पहले से चीता, टाइगर, तेंदुआ स्टेट है। अब यहां गिद्धों की संख्या भी बढ़ गई है। फरवरी में हुए सर्वे में गिद्धों की करीब 7 प्रजाति पाई गई हैं। इनमें भारतीय गिद्ध,

सिनेरियस गिद्ध, मिस्र गिद्ध (व्हाइट स्कैवेंजेर) और हिमालयन ग्रिफॉन जैसी प्रजातियां प्रमुख हैं। 22 से 24 मई के बीच हो रही गणना में भी यही प्रजातियां सामने आई हैं। सूर्योदय से सुबह 9 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वृत्त, 9 टाईगर रिजर्व, वन विकास निगम के क्षेत्रों एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों में गिद्ध गणना होगी। गिद्धों की गणना के लिए ऑनलाईन एप तैयार किया गया है। जिसके माध्यम से गिद्धों की गणना की जा रही है। एप के माध्यम से गणना किए जाने पर आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होगी।

ऐसे होती है गणना- गिद्धों की गणना के लिए गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक सूर्योदय के तत्काल बाद प्रथम चरण में चयनित गिद्धों के घोंसलों के समीप पहुंच जाते हैं। फिर घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना कर एप में उसकी जानकारी दर्ज करते हैं।

गणना के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाता है कि केवल आवास/विश्राम स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को ही गणना में लिया जाए। उड़ते हुए गिद्धों को गणना में नहीं लिया जाता है।

मां... पानी कब मिलेगा? ‘मौत के कुएं’ से बुझा रहे प्यास

बुरहानपुर-धुलकोट में बूंद-बूंद के लिए दांव पर मासूम बच्चियों की जिंदगी

बुरहानपुर (नप्र)। तपती धूप, सूखी धरती, फटे हुए पहाड़ और बीच में पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करती जिंदगी। धुलकोट क्षेत्र से सामने आई ये तस्वीरें किसी सूखे प्रदेश या अकालग्रस्त देश की नहीं, बल्कि उसी भारत की हैं, जहां हर घर जल पहुंचाने के दावे किए जाते हैं। लेकिन मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले स्थित धुलकोट के कई आदिवासी और दूरस्थ गांवों में आज भी लोग बूंद-बूंद पानी के लिए अपनी जान दांव पर लगाने को मजबूर हैं। सबसे दर्दनाक बात यह है कि इस संघर्ष में सबसे आगे छोटे-छोटे मासूम बच्चे दिखाई दे रहे हैं।

खतरनाक गड्ढों में उतरकर पानी निकाल रहीं बच्चियां- तस्वीरों में साफ नजर आता है कि महिलाएं और मासूम बच्चियां गहरे खतरनाक गड्ढों में उतरकर पानी निकाल रही हैं। कहीं पेड़ की जड़ों को सहारा बनाकर नीचे उतरना पड़ रहा है तो कहीं पथरीली ढलानों पर फिसलने का खतरा हर पल बना हुआ है। नीचे जमा पानी इतना गंदा और बदबूदार है कि उसे देखकर कोई जानवर भी शायद मुंह न लगाए, लेकिन इंसानों की मजबूरी ऐसी है कि उसी पानी को पीना पड़ रहा है।

पानी की तलाश में भटक रहे हैं बच्चे- जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए, उस उम्र में वे खाली बर्तन लेकर कई किलोमीटर दूर पानी की तलाश में भटक रहे हैं। मासूम बच्चियां तपती दोपहर में नंगे पैर पहाड़ियों के बीच उतरती हैं, फिर घंटों इंतजार के बाद गड्ढों में रिसकर जमा हुए पानी को छोटे बर्तनों में भरती हैं। कई बार पानी इतना कम होता है कि एक बर्तन भरने में घंटों लग जाते हैं।

हैंडपंप पड़े हैं बंद

बुरहानपुर के ग्रामीणों का कहना है कि गांवों के हैंडपंप कई दिनों से बंद पड़े हैं। कुएं और तालाब सूख चुके हैं। नलजल योजनाएं केवल कागजों तक सीमित होकर रह गई हैं। गर्मी बढ़ने के साथ हालात और भी खराब हो चुके हैं। सुबह चार बजे से ही महिलाएं पानी की तलाश में निकल जाती हैं और दोपहर तक लौटती हैं। कई बार पूरा दिन बीत जाने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता।

हो सकता है बड़ा हादसा

सबसे ज्यादा चिंता उन बच्चों की है जो जान जोखिम में डालकर इन गहरे खड्डों में उतरते हैं। जरा सा पैर फिसल जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है। लेकिन प्यास का दर्द डर से बड़ा हो चुका है। गांव की एक महिला ने नम आंखों से कहा कि अगर पानी नहीं लाएंगे तो बच्चे प्यासे सो जाएंगे। यह एक वाक्य ही पूरे दर्द को बयां कर देता है।

बीमारियां फैलने की आशंका

गंदा पानी पीने से गांवों में बीमारियां भी फैलने लगी हैं। बच्चों में पेट दर्द, बुखार, उल्टी और त्वचा रोग जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। लेकिन गरीब परिवारों के पास इलाज और साफ पानी दोनों की कमी है। मजबूरी में वही दूषित पानी पीना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमला

- 24 लोगों की मौत, 82 घायल, जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना

जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की। फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं।

एक्ट्रेस ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद अंतिम संस्कार

- भाई ने भोपाल में मुखाग्नि दी, दिल्ली एम्स की टीम ने दोबारा पोस्टमॉर्टम किया

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। भोपाल के भदभदा श्मशान घाट में भाई मेजर हर्षित ने ट्विशा को मुखाग्नि दी। इस दौरान ट्विशा की मां और परिवार भावुक होकर रो पड़ा। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली

एम्स की टीम ने ट्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल एम्स में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई। पोस्टमॉर्टम से जुड़े सैंपल और विसरा भोपाल एम्स में ही सुरक्षित रखे गए हैं। टीम अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपेगी। 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस को स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को चीफ जस्टिस की बेंच इस केस की सुनवाई करेगी। ट्विशा के पति समर्थ को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की है। साथ ही उसका पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। भोपाल कोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन दायर किया गया है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच सीबीआई से कराने पर सहमति दे दी है।

आरजेडी छोड़ बीजेपी का दामन थामेंगी रितु जायसवाल

- 26 को लेंगी सदस्यता, तेजस्वी की पार्टी से मोह हुआ भंग

पटना (एजेंसी)। राजद के महिला प्रकोष्ठ की बिहार प्रदेश की अध्यक्ष रही रितु जायसवाल अब भाजपा में शामिल होने जा रही हैं। रितु जायसवाल 26 मई को भाजपा में शामिल होंगी। रितु जायसवाल ने सीतामढ़ी के सोनबरसा ब्लॉक में सिंहवाहिनी पंचायत की मुखिया के रूप में अपने काम से बिहार की राजनीति में अलग पहचान बनाई थी। रितु पहले नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड में थीं,

इसके बाद वह लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में पहुंचीं और वहां उन्हें कई जिम्मेदारियां मिलीं। उन्हें महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही वह पार्टी की प्रवक्ता रहीं। उन्होंने रविवार को भाजपा में शामिल होने की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए सार्वजनिक की है। वे 26 मई को दोपहर 12.19 बजे से 1.09 बजे तक पटना स्थित भाजपा कार्यालय के अटल सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में सादगीपूर्ण तरीके से पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगी।

सीहोर में 62 लाख की अवैध बीयर जब्त

1,991 पेटियों से 47,784 केन मिलीं; भोपाल-इंदौर हाईवे पर खड़ा था ट्रक

सीहोर (नप्र)। सीहोर में भोपाल-इंदौर हाईवे पर एक ट्रक से 62 लाख रुपए की बीयर जब्त की है। ट्रक लावारिस रूप से सड़क पर खड़ा हुआ था। जावर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। मुख्यमंत्री के नशा मुक्ति अभियान और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देशों के तहत सीहोर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और आष्टा एसडीओपी दामोदर गुप्ता के मार्गदर्शन में जावर थाना प्रभारी हेमंत पांडेय के नेतृत्व में टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, रविवार को जावर पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि भोपाल-इंदौर हाईवे पर सरहदी से पहले एक संदिग्ध ट्रक खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां निर्माणाधीन चद्दर शेड के सामने एक ट्रक लावारिस हालत में मिला, जिसके पास कोई मौजूद नहीं था। पुलिस टीम ने जब ट्रक की तलाशी ली, तो उसमें भारी मात्रा में शराब भरी हुई पाई गई। ट्रक से कुल 1,991 पेटियां बरामद हुईं, जिनमें पावरकूल ब्रांड की 47,784 बीयर केन थीं।

मोदी सरकार में पहली बार हुआ मंत्रियों का रिव्यू

‘संतोषजनक’ रेटिंग के बाद हरकत में आए मिनिस्टर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालयों का रिव्यू किया गया, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर कई मंत्रालयों को संतोषजनक श्रेणी में रखा गया है। इस मूल्यांकन का खास महत्व है क्योंकि सरकार की ओर से जब भी कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा तो मंत्रालयों का यही रिपोर्ट कार्ड निर्णायक साबित होगा। एनडीटीवी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बैठक की, जिसमें कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सरकार के सभी मंत्रालयों के कामकाज पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। मंत्रालय को मूल्यांकन का मुख्य पैमाना मंत्रियों की ओर से शिकायत का निवारण और फाइलों के निपटारे दिखाई गई फुर्ती थी।

मंत्रियों ने संभाला मोर्चा

कई मंत्रियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा पुराने और अप्रासंगिक नियमों को समाप्त करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद कृषि मंत्री ने अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक में प्रशासनिक कार्य-संस्कृति में बदलाव लाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फाइल तैयार करने, निर्णय लेने और मसौदा तैयार करने की गुणवत्ता में सुधार लाने की आवश्यकता है। ड्राफ्टिंग को एक अहम क्षेत्र बताते हुए उन्होंने विभागों से आग्रह किया कि वे ऐसे अधिकारियों को प्रशिक्षित करें जो मजबूत, स्पष्ट और नीति के अनुरूप तरीके से फाइलें और नोट्स तैयार कर सकें।

फाइलें लंबित न रहें और शिकायतें सुलझनी चाहिए

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म, डेटा शेयरिंग, डेटा-बेस्ड डिसीजन लेने और मंत्रालयों के बीच सहयोग जैसे अन्य क्षेत्रों ने भी सरकार की रिपोर्ट कार्ड प्रक्रिया में भूमिका निभाई। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने मंत्रालयों से कहा है कि फाइलें लंबित नहीं रहनी चाहिए और शिकायतें भी अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। पीएम मोदी ने मंत्रालयों को विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं की पहचान करने और उनके समाधान खोजने का आह्वान किया। मंत्रालयों से यह बताने को कहा गया है कि काम में क्या बाधाएं आती हैं, किन रुकावटों के कारण निर्णय लेने, उनके कार्यान्वयन और लाभ वितरण में देरी होती है और इन समस्याओं को दूर करने के लिए क्या सुधार किए जा सकते हैं। पीएम मोदी ने मंत्रालयों को वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों पर काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने बायो गैस के उपयोग के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कैबिनेट बैठक के दौरान ईंधन दक्षता पर भी जोर दिया। उन्होंने अनावश्यक विदेश यात्राओं में कटौती करने का आग्रह किया।

रेप पीड़िता को गर्भावस्था समापन की मिली मंजूरी

सरकार उठाएगी खर्च, राजस्थान हाईकोर्ट का नजीर पेश करने वाला फैसला

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने एक बेहद संवेदनशील मामले में संज्ञान लेते हुए नजीर पेश करने वाला फैसला सुनाया है। दरअसल , यहां 16 साल की नाबालिग रेप पीड़िता को 27 सप्ताह और 4 दिन (करीब 7 महीने) का गर्भ गिराने (अबॉर्शन) की अनुमति दे दी है। जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की एकल पीठ ने यह फैसला 22 मई को सुनाया। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए पॉक्सो मामलों में गर्भावस्था की जांच और मेडिकल प्रक्रियाओं में होने वाली देरी पर गहरी चिंता भी जताई।

गर्भपात कराने की मिली हरी झंडी- याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पहले सिरोही और फिर जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में मेडिकल बोर्ड का गठन करवाया। बोर्ड की रिपोर्ट में सामने आया कि पीड़िता गंभीर एनीमिया (खून की कमी) से जूझ रही है।

कोर्ट में परिवार ने लगाई थी गुहार

सिरोही जिले की रहने वाली नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म के बाद पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज था। करीब 7 महीने का गर्भ होने के बाद परिजनों को इस बात की जानकारी हुई, जिसके बाद पीड़िता के दादा ने 18 मई को हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट सपना वैष्णव ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि यह गर्भ दुष्कर्म का परिणाम है और एक नाबालिग को इसे रखने के लिए मजबूर करना उसके मौलिक अधिकारों का हनन है।

रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करेगी बंगाल सरकार

- सीएम शुभेंदु अधिकारी का जिला कलेक्टरों को बड़ा आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग का काम शुरू हो गया है। इस सब के बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली सरकार से बड़ा अपडेट सामने आया है। राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या को डिपोर्ट करने का आदेश दिया है। इसके लिए राज्य में रोंहिग्या के लिए होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल में घुसपैठियों पर बड़ा ऐक्शन लेने की तैयारी की है। इसके तहत अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ को भी तेज किया जाएगा। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बंगाल से चुन-चुन अवैध घुसपैठियों को बाहर करने का वादा किया था। खुद गृह मंत्री अमित शाह ने इसका ऐलान किया था। अब बंगाल में सरकार बनने के बाद शुभेंदु अधिकारी इसी लाइन पर आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार ने होल्डिंग सेंटर बनाने के लिए सरकार ने जिलाधिकारियों को आदेश की कॉपी भेज दी गई है। बीजेपी ने बंगाल को घुसपैठ मुक्त बनाने का वादा किया था।

मिशन 2027 यूपी

‘हाथी का बटन दबाना है सत्ता में वापस आना है’

मायावती ने लखनऊ बैठक में पार्टी नेताओं को दिया मंत्र

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बहुजन समाज पार्टी ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसको लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को लखनऊ के माल एवेन्यू स्थित बसपा स्टेट ऑफिस में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और चुनावी तैयारियों की समीक्षा की गई। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि देश में चुनाव अब नई-नई चुनौतियों के बीच हो रहे हैं। ऐसे में पार्टी संगठन को और ज्यादा चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद बनाने की जरूरत

है, ताकि यूपी में पांचवीं बार बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाई जा सके। मायावती ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और नए नियम-कानूनों के कारण करोड़ों लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। जनता को विरोधी दलों की संकीर्ण और छलावापूर्ण राजनीति से बचने की जरूरत है।

ऐसे उम्मीदवारों को टिकट जिनकी छवि मजबूत

मायावती ने कहा कि पार्टी ऐसे उम्मीदवारों को मौका देगी, जिनकी छवि मजबूत और जनाधार अच्छा हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विपक्ष की साजिशों और भ्रामक प्रचार से सावधान रहने की सलाह दी। बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी की जनता को फिर से आजमाई हुई बसपा सरकार और उसके नेतृत्व पर भरोसा करना चाहिए, क्योंकि बहुजन समाज पार्टी ही लोगों को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कानून-व्यवस्था दे सकती है।

आज से नौतपा, सुबह से झुलसाने लगी गर्मी

41 डिग्री पर पहुंचा दिन का पारा

तापमान में हल्की गिरावट के साथ लू से राहत की उम्मीद

इंदौर। शहर में भीषण गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। दिन के तापमान में मामूली गिरावट दर्ज होने के बावजूद तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर रखा है। शनिवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। शुक्रवार की तुलना में इसमें हल्की कमी रही, क्योंकि एक दिन पहले पारा 41.4 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं रात का तापमान भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है। शनिवार को न्यूनतम तापमान 27.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा। सुबह से ही गर्मी का असर साफ महसूस होने लगा था। सुबह करीब साढ़े 8 बजे ही तापमान 31.2 डिग्री तक पहुंच गया था। इसके चलते दिन चढ़ने के साथ तपिश और ज्यादा बढ़ती गई। शाम 5 बजे तक भी गर्मी का असर कम नहीं हुआ और तापमान 39.8 डिग्री दर्ज किया गया। दोपहर के समय शहर में लू जैसे हालात बने रहे और सड़कों पर लोगों की आवाजाही भी कम दिखाई दी।

प्रदेशभर में गर्मी का असर

इंदौर ही नहीं, प्रदेश के अधिकांश शहर इस समय तेज गर्मी की चपेट में हैं। मौसम में बदलाव लाने वाला कोई प्रभावी बारिश तंत्र सक्रिय नहीं होने से गर्मी लगातार बढ़ी हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य तौर पर 20 मई के बाद प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होने लगती हैं, लेकिन इस बार अब तक ऐसा कोई असर दिखाई नहीं दिया है। पिछले वर्ष मई महीने में करीब 8 इंच बारिश दर्ज की गई थी, जबकि इस बार अब तक एक बूंद पानी भी नहीं गिरा है। इसी कारण 8 मई से लगातार तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। गर्म हवाओं और उमस ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है।

नौतपा में 39 से 41 डिग्री तापमान

25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बार नौतपा के दौरान तापमान 43 से 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना कम है। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री के बीच बना रह सकता है। इससे भीषण लू जैसी स्थिति से कुछ राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश के मौसम का आधिकारिक आगमन 1 जून से माना जाता है। सामान्य रूप से मई के अंतिम सप्ताह में कहीं-कहीं हल्की प्री-मानसून बारिश शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार पूरा मई लगभग सूखा गुजरने की संभावना है। हालांकि जून के पहले सप्ताह में मौसम में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। शुरुआती दिनों में बादलों की आवाजाही बढ़ने के साथ गरज-चमक और हल्की बारिश या बौछारें पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

इंदौर-दिल्ली की दो फ्लाइट बंद होगी

इंदौर। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने इंदौर-दिल्ली के बीच 1 जून से फ्लाइट की संख्या कम करने घोषणा की। एयरलाइंस कंपनी हर दिन की चार में से दो फ्लाइट बंद करेगी। एयरलाइंस कंपनी ने इन फ्लाइट की बुकिंग भी बंद कर दी है। जिन यात्रियों ने प्री-बुकिंग की थी, अब उन्हें कंपनी री-बुकिंग या रिफंड का ऑप्शन दे रही है।

एयरलाइंस कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार एयरक्राफ्ट के मेंटेनेंस की वजह से और फ्यूल चार्ज बढ़ने की वजह से फिलहाल अस्थायी तौर पर इन फ्लाइट्स का संचालन बंद किया जा रहा है। बंद होने वाली फ्लाइट है दिल्ली-इंदौर सुबह 7.15 बजे आने वाली, दिल्ली-इंदौर दोपहर 1.45 बजे आने वाली, इंदौर-दिल्ली सुबह 9.40 बजे रवाना होने वाली, इंदौर-दिल्ली दोपहर 12.15 बजे रवाना होने वाली।

गंदे पानी का विवाद, पड़ोसी को पीटा

इंदौर। घर के सामने सफाई करने और गंदा पानी फेंकने की बात को लेकर तेजाजी नगर थाना क्षेत्र की जोशी कॉलोनी में दो पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक युवक ने पड़ोसी पर डंडे से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची महिला के साथ भी आरोपी ने धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की।

पुलिस के मुताबिक, जोशी कॉलोनी निवासी रामभरोसे मालवीय ने अपने घर के सामने पानी डालकर सफाई की थी। इसी दौरान पड़ोसी भूरा सिंह चौहान वहां पहुंचा और साफ की गई जगह पर गंदा पानी फेंक दिया। विरोध करने पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि भूरा सिंह ने गालियां देते हुए डंडे से रामभरोसे पर हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ में चोट आई। पत्नी जीवन ज्योति बीच-बचाव करने पहुंचीं तो आरोपी ने उनके साथ भी बदसलूकी कर जान से मारने की धमकी दी।

सुसाइड केस में उकसाने का केस दर्ज

इंदौर। एमआइजी थाना क्षेत्र स्थित जीवन धारा अपार्टमेंट में दिसंबर 2025 में हुए छात्र युवक के सुसाइड मामले में पुलिस ने जांच के बाद बड़ा खुलासा किया। मर्ग जांच,कॉल डिटेल रिकॉर्ड और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से नर्मदापुरम जिले के ग्राम बरेली निवासी 24 वर्षीय ईश्वर पिता मोहब्बत सिंह पटेल इंदौर में रहकर पढ़ाई के साथ काम करते थे। 27 दिसंबर 2025 को उन्होंने अपने फ्लैट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि आत्महत्या से ठीक पहले ईश्वर और आरोपी देव पटेल निवासी ग्राम सिंगोड़ी, थाना पिपरिया के बीच लंबी फोन पर बातचीत हुई थी। पुलिस के अनुसार बातचीत के दौरान आरोपी ने ईश्वर को धमकाया और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। दोस्तों और रूममेट्स ने भी बयान में बताया कि ईश्वर लंबे समय से तनाव में था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में केस दर्ज कर लिया।

जैन मंदिर से चोरी मूर्तियां नहीं मिलीं

एरोड्रम क्षेत्र के ग्रेटर बाबा परिसर स्थित श्री दिगंबर जैन नवग्रह जिनालय में हुई चोरी की घटना के 20 दिन बाद भी मूर्तियों और चांदी के अन्य सामान की बरामदगी नहीं होने से जैन समाज में नाराजगी बढ़ रही है। अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागर महाराज ने कहा, चोरी हुई प्रतिमाएं केवल धातु की नहीं, बल्कि समाज की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक हैं। मामले में शीघ्र प्रगति नहीं हुई तो समाज का आक्रोश आंदोलन का रूप ले सकता है। नवग्रह क्षेत्र समिति के पदाधिकारियों ने कहा, एक महिला सहित चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी प्रतिमाओं की बरामदगी नहीं होना चिंता का विषय है।

शहर में जल संकट पर फूटा आक्रोश विधायक के घर पहुंचे नाराज रहवासी

सड़क पर बैठकर लगाए नारे, कई दिनों से नहीं मिल रहा पर्याप्त पानी

इंदौर। शहर में लगातार गहराते जल संकट को लेकर अब लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है। भीषण गर्मी के बीच पानी की कमी से परेशान रहवासियों का गुस्सा शनिवार सुबह खुलकर सामने आया, जब बड़ी संख्या में लोग भाजपा पार्षद लाल बहादुर वर्मा के नेतृत्व में विधायक रमेश मेंदोला के निवास पहुंच गए। यहां लोगों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया और 'पानी दो-पानी दो' तथा 'नई टंकी बनाओ' जैसे नारे लगाए।

प्रदर्शन कर रहे रहवासियों का कहना था कि क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पिछले कई दिनों से पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि नलों में केवल दो से तीन बाल्टी पानी ही आ रहा है, जिससे रोजमर्रा के कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं। कई परिवारों को बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

पानी दूसरे वार्डों में भेज रहे - पार्षद लाल बहादुर वर्मा ने निगम व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस पानी की टंकी से वार्ड 26 में सप्लाई होनी चाहिए, उसका पानी दूसरे वार्डों में भेजा जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निगम के टैंकर समय पर नहीं पहुंच रहे, जिसके कारण लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और कई बार दूसरे क्षेत्रों में भटकना पड़ता है।

विधायक निवास के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। विधायक रमेश मेंदोला ने रहवासियों की समस्याएं सुनने के बाद भरोसा दिलाया कि मामले को लेकर महापौर और निगम अधिकारियों से चर्चा की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि वार्ड में नई पानी की टंकी बनाने की तैयारी की जा रही है। साथ ही फिलहाल पानी के टैंकरों की संख्या बढ़ाकर राहत देने का प्रयास किया जाएगा।

बढ़ रहा पानी को लेकर विरोध- शहर में जल संकट अब बड़ा राजनीतिक और जन सरोकार का मुद्दा बनता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह में अलग-अलग क्षेत्रों में 12 से अधिक प्रदर्शन हो चुके हैं। कई जगह लोगों ने चक्का जाम किया, खाली मटके फोड़े और पानी की टंकियों पर चढ़कर विरोध जताया। लगातार बढ़ते आक्रोश के बीच प्रशासन की चिंता भी बढ़ गई है। अधिकारियों को आशंका है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो इसका असर शहर की स्वच्छता रैंकिंग और व्यवस्थाओं पर भी पड़ सकता है।

10 हजार की अमानत राशि, ऊंची बोली लगाने वाले को मिलेगा वाहन

शहर के थानों से वाहनों का कबाड़ हटेगा, चंदन नगर में नीलामी 29 को

इंदौर। शहर के थानों में वर्षों से जब्त और लावारिस हालत में खड़े वाहनों के वैधानिक निपटारे के लिए इंदौर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इस क्रम में पश्चिम क्षेत्र के व्यस्त चंदन नगर थाने में जब्तशुदा दुपहिया और चार पहिया वाहनों की सार्वजनिक नीलामी की तारीख घोषित कर दी गई है।

थाने में लंबे समय से खड़े वाहन धूल खा रहे थे, जिससे परिसर में जगह की भी समस्या बन रही थी। पुलिस प्रशासन के मुताबिक, नीलामी प्रक्रिया के तहत इच्छुक व्यक्ति या व्यावसायिक फर्म कार्यालयीन समय में चंदन नगर थाना पहुंचकर आवेदन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र, प्राप्ति रसीद और डिमांड ड्राफ्ट अथवा पोस्टल ऑर्डर के साथ 28 मई शाम 5 बजे तक जमा करना अनिवार्य रहेगा। निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए पुलिस ने 10 हजार रुपए की अमानत राशि जमा करना अनिवार्य किया है। सभी वैध आवेदनों की जांच के बाद 29 मई को थाना परिसर में सार्वजनिक बोली लगाई जाएगी। सबसे अधिक बोली लगाने वाले व्यक्ति को वाहन का मालिकाना हक दिया जाएगा। बोली की पूरी राशि मौके पर जमा कराने के बाद ही वाहन सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों की समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।

कुमेड़ी आईएसबीटी की शुरुआत जून अंत तक, दबाव कम होगा

संचालन के लिए एजेंसी तय, वर्क ऑर्डर की प्रक्रिया शुरू

इंदौर। शहर के बहुप्रतीक्षित कुमेड़ी आईएसबीटी के जून अंत तक शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। लंबे समय से प्रतीक्षित इस परियोजना को चालू करने की दिशा में अब प्रशासनिक प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा आईएसबीटी के संचालन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निविदाएं जारी की गई थीं, जिनके बाद संचालन एजेंसी का चयन भी कर लिया गया है। अब केवल वर्क ऑर्डर जारी किया जाना बाकी है। सूत्रों के अनुसार वर्क ऑर्डर जारी होने और अन्य औपचारिक प्रक्रियाओं में करीब एक महीने का समय लग सकता है। इसके बाद बस संचालन शुरू करने की तैयारी तेज कर दी जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि जून के अंतिम सप्ताह तक यात्रियों के लिए आईएसबीटी शुरू किया जा सकता है। करीब 200 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस अत्याधुनिक बस टर्मिनल को शहर के सार्वजनिक परिवहन ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। यहां से प्रतिदिन लगभग 1500 बसों के संचालन की योजना बनाई गई है। इससे शहर के विभिन्न हिस्सों में फैले बस संचालन को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

समान नागरिक संहिता पर जन परामर्श बैठक सम्पन्न

उच्च स्तरीय समिति ने विभिन्न पक्षों से संवाद कर लिए सुझाव

इन्दौर (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की जन परामर्श बैठक आज शनिवार को जाल सभागृह, इंदौर में आयोजित की गई। बैठक में समान नागरिक संहिता से जुड़े सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों तथा विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त किये गए। बैठक की अध्यक्षता समिति के सदस्य शत्रुघन सिंह (सेवानिवृत्त भा.प्र.से.) ने की । इस अवसर पर समिति के अन्य सदस्य श्री अनूप नायर (कानूनविद), श्री गोपाल शर्मा (शिक्षाविद) एवं श्री बुधपाल सिंह (सामाजिक कार्यकर्ता) भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मधु वर्मा, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री श्रवण चावड़ा, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री गोपीकृष्ण नेमा सहित अन्य जन प्रतिनिधि आदि ने भी शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए । कलेक्टर श्री शिवम वर्मा तथा समिति के सचिव श्री अजय कटेसरिया भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पत्रकारों तथा गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए समिति के श्री शत्रुघन सिंह ने समिति गठन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा गठित यह उच्च स्तरीय समिति विवाह, भरण-पोषण, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार तथा अन्य पारिवारिक कानूनों से संबंधित विधिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी। जनपरामर्श बैठकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

जीएनटी मार्केट में दौड़ती रही लकड़ी माफियाओं की गाड़ी, गश्ती दल कहां !

विशेष रात्रि रोस्टर पर सवाल, जांच नाके पर रात 2 बजे तक कोई नहीं

इंदौर। शहर में अवैध लकड़ी और वन उपज के कारोबार पर सख्ती के दावे करने वाले वन विभाग की कार्यप्रणाली अब सवालों के घेरे में आ गई। वनमंडलाधिकारी द्वारा जीएनटी मार्केट और आसपास के क्षेत्रों में अवैध परिवहन रोकने के लिए सात दिन का विशेष रात्रि गश्ती रोस्टर जारी किया गया था, लेकिन शनिवार रात हालात विभागीय दावों के बिल्कुल विपरीत दिखाई दिए।

निर्धारित रोस्टर में हुकुमचंद खांडे सहित विशेष कर्तव्य अमले की ड्यूटी लगाई गई थी, मगर क्षेत्र में कहीं भी सक्रिय गश्ती दल नजर नहीं आया। इधर, रातभर छोटा हाथी, अशोक लीलैंड और अन्य छोटे मालवाहक वाहनों के जरिए कथित रूप से अवैध लकड़ी का परिवहन लगातार जारी रहा। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विभागीय कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित होकर रह गई है। उनका आरोप है कि वन विभाग कुछ वाहनों पर कार्रवाई कर अपनी सक्रियता प्रदर्शित कर रहा है, जबकि असल में लकड़ी माफिया खुलेआम कारोबार कर रहे हैं।

पकड़ी तीन गाड़ी, तमाशा बड़ा- प्रत्यक्षदर्शियों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि तीन गाड़ियां पकड़कर यह प्रचारित किया जा रहा है कि वन विभाग ने माफियाओं पर शिकंजा कस दिया। लेकिन, हकीकत यह है कि पूरी रात कई वाहन बिना किसी रोक-

टोक के निकलते रहे। अब वन माफियाओं में विभाग का डर लगभग खत्म हो चुका है।

सूत्रों के मुताबिक, पिछले कई दिनों से जीएनटी मार्केट और उससे जुड़े इलाकों में अवैध लकड़ी कारोबार की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। सीएम हेल्पलाइन और दूरभाष पर मिली सूचनाओं के बाद वन विभाग ने विशेष निगरानी और रात्रि गश्त के आदेश जारी किए थे। महू क्षेत्र के बड़गोंदा स्थित आलू चिप्स कारखानों में कथित रूप से अवैध वनोपज के उपयोग की शिकायतों को भी गंभीरता से लेते हुए सख्त निगरानी के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद शनिवार रात की स्थिति ने विभागीय तैयारियों और दावों की पोल खोल दी।

रात 2 बजे तक कोई नहीं मिला

वन विभाग की लापरवाही का एक और दृश्य धार रोड स्थित वन उपज जांच नाके पर सामने आया। रविवार देर रात करीब 2 बजे मौके पर पहुंचने पर नाके पर केवल एक सफेद स्कूटर खड़ी दिखाई दी, लेकिन ड्यूटी पर कोई अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं था। पूरे परिसर में सन्नाटा पसरा हुआ था। वहां केवल 8 से 10 कुत्ते घूमते दिखाई दिए, मानो वही नाके की निगरानी कर रहे हों। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब जांच नाकों की यह स्थिति है, तब अवैध लकड़ी और वन उपज की तस्करी पर रोक लगना मुश्किल दिखाई देता है। विभागीय गश्ती दल और जांच व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदार कर्मचारी ड्यूटी छोड़कर कहां गायब थे और वन माफियाओं को इतनी खुली छूट किसके संरक्षण में मिल रही है। वन विभाग की ओर से अब तक इस पूरे मामले में कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है, जबकि क्षेत्र में अवैध लकड़ी परिवहन को लेकर लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है।

संपादकीय

आसमान से बरसती आग!

पूरा उत्तर भारत मानो भट्टी में तब्दील हो गया है। सुबह होते ही सूरज की किरणें आग उगलने लगती हैं। आलम यह है कि दुनिया के सबसे गर्म 29 शहरों में सर्वाधिक शहर भारत के हैं और उत्तर पदेश का बांदा तो ऐसा हॉट स्पॉट बन गया है, जहां पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है और यह दुनिया के सबसे गर्म शहरों में शामिल हो गया है। इस तापमान पर कूलर तो क्या एसी भी जवाब देने लगते हैं। आजादी के बाद बांदा ने देश में 5 बार सर्वाधिक गर्म होने का रिकॉर्ड बनाया है। बांदा में 27 साल पहले 49 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था, जो अब फिर 48 डिग्री तक पहुंच गया है। ये पूरा इलाका भयंकर लू की चपेट में है। बताया जाता है कि राजस्थान की तरफ से आने वाली गर्म हवाओं ने बांदा को आग का गोला बना दिया है। मानो आसमान से धूप नहीं, अंगारे बरस रहे हों। बुंदेलखंड के बांदा से लगे मप्र के जिलों में भी हालात कुछ अलग नहीं है। यूं कहने तो नौतपे की शुरूआत आज से हो रही है, लेकिन मप्र में तो पारा पहले ही आसमान छू रहा है। ग्वालियर-चंबल, सागर, रीवा और उज्जैन संभाग में लू का असर बना हुआ है। मौसम विभाग ने शनिवार को 42 जिलों में लू की चेतावनी दी। इनमें टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में रेड अलर्ट था। ग्वालियर समेत 21 जिलों में तेज लू का ऑरेंज अलर्ट और 18 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया। मप्र के ही नरसिंहपुर में भीषण गर्मी का यह हाल है कि कॉलेज पहुंचने तक विद्यार्थियों का मुंह सूखने लगता है। समूचे देश में यही हाल है। भारत का अधिकांश हिस्सा तेज गर्मी और लू की चपेट में है। तेलंगाना में अब तक गर्मी और हीटवेव की वजह से 16 मौतें हो चुकी हैं। प्राइवेट एजेंसी AQI के मुताबिक बीते शुक्रवार को दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में में सभी शहर भारत के रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा के कई शहर दोपहर से पहले ही 42 से 44 डिग्री तक पहुंच गए। अकेले उत्तर प्रदेश के 22 शहर गर्म शहरों की लिस्ट में थे। ज़ाहिर है ऐसे मौसम में बदलाव की तत्काल कोई सूरत नजर नहीं आ रही है। सावधानी ही लू से बचने का एक मात्र उपाया है। विशेषज्ञों के अनुसार जितनी गर्मी बढ़ती है वैसे-वैसे शरीर से पसीना निकलता है। इसकी वजह से शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) होती है। हमारे शरीर का लगभग 60 फ़ीसदी वजन पानी का होता है। शरीर में पानी की कमी होती है तो अन्य ऑर्गेन्स पर इसका असर होता है। पसीने के साथ शरीर का इलेक्ट्रोलाइट (मुख्य रूप से सोडियम) कम होना शुरू होता है। हमें शरीर में पानी के साथ ही इलेक्ट्रोलाइट की भरपाई भी करनी होती है। लिहाजा ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और यथा संभव धूप में निकलने से बचें। तेज गर्मी का बुरा असर हमारे गैजेट्स पर भी पड़ता है। लिहाजा गैजेट्स को सीधी धूप और गर्मी से यथा संभव बचाएं। देश में वैसे ही ईंधन का संकट है। इसलिए बेहतर है कि जहां तक मुमकिन हो, घर से बाहर न निकले और वाहनों का न्यूनतम प्रयोग करें। एसी से निकलकर तुरंत धूप में न जाएं। इससे भी आपकी तबीयत बिगड़ सकती है। ऐसा नहीं है, इतनी गर्मी पहली बार पड़ रही है। पिछले कुछ सालों से मई की तुलना में अप्रैल ज्यादा तपता था। लेकिन इस बार लू के गर्म थपेड़े कम होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। घटती हरियाली और पर्यावरण को भारी नुकसान भी इसका बड़ा कारण है। पेड़ बचेंगे तो छांव भी बचेगी। छांव बचेगी तो जान बचेगी।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

नैतिक वातावरण बिना सादगी की अपील

पहले तो मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद दूं, उन्होंने इस संकट की सूचना समय रहते दे दी। क्योंकि कोरोना संकट के समय उनके विलंबित सूचना देने के कारण लाखों या करोड़ों लोग असुविधा, पलायन और बड़ी संख्या में बीमारी व मौत के शिकार हुए थे इसलिये उनकी इस पूर्व सूचना का मैं उनकी समझदारी पूर्ण सुधार मानता हूँ। यह सुविदित है कि युद्ध का संकट भारी है और इसमें भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं है। अगर इस सरकार के अलावा कोई और सरकार होती तो भी वह इस युद्ध के संकट के लिये कुछ करने की स्थिति में नहीं थी। इसलिये मैं गैस, तेल आदि के दामों के बढ़ने या कठिनाई के लिये अकेले सरकार को जिम्मेवार नहीं मानता। परंतु एक बात अवश्य है कि जो अपील या लाचारी प्रधानमंत्री जी को अब मई 2026 में नजर आ रही है,क्या इसके मूल कारणों के बारे में उन्होंने पहले विचार किया है?

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों में दो बार सार्वजनिक रूप से देश के लोगों से अपील की और सावधान भी किया है। दस तारीख को उन्होंने रविवार के दिन अपने मन की बात में विस्तार से कहा कि लोग गैस, डीजल, पेट्रोल का इस्तेमाल कम से कम जरूरत के मुताबिक करें। सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करें, फिजूलखर्ची दिखावा न करें ताकि उपयोग की मात्रा कम हो। उन्होंने यह भी कहा कि सोना न खरीदें, क्योंकि सोने के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बढ़े हैं। 4 मई 2026 को उन्होंने अपने इस अपीलनुमा बयान को पुनरू दोहराया तथा कहा कि कोरोना सदी का सबसे बड़ा संकट था, जंग दबाव का सबसे बड़ा संकट है। उन्होंने तो विदेश यात्रा में नीदरलैंड तक में जाकर इन बातों को भिन्न शब्दों में दोहराया, हालांकि अधिकारियों ने भी तथ्य रखते हुए कहा कि घबराने की आवश्यकता नहीं है, अभी देश के पास 60 दिनों का तेल व गैस का भण्डार है तथा यह भी कहा कि फिर भी कम खर्च करें ताकि 1619 करोड़ रोज का अतिरिक्त खर्च कम हो सके। इस कथन के दो पहलू हैं, एक तो प्रधानमंत्री के सावधान करने के बाद देश में पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर अफरा तफरी न मच जाये, लंबी-लंबी लाइनें न लग जाएं। दूसरे रुपये का अपमूल्यन होकर वह 1 डालर 95.28 रुपये पर पहुंच गया है। यह ऐतिहासिक गिरावट है। स्वाभाविक है कि रूपये का अपमूल्यन का फर्क विदेशी मुद्रा पर पड़ता है, क्योंकि तेल, गैस आदि का व्यापार डॉलर में होता है और उसकी तुलना में हमें अरबों रुपये रोज का भारतीय मुद्रा में घाटा होता है।

पहले तो मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद दूं, उन्होंने इस संकट की सूचना समय रहते दे दी। क्योंकि कोरोना संकट के समय उनके विलंबित सूचना देने के कारण लाखों या करोड़ों लोग असुविधा, पलायन और बड़ी संख्या में बीमारी व मौत के शिकार हुए थे इसलिये उनकी इस पूर्व सूचना का मैं उनकी समझदारी पूर्ण सुधार मानता हूँ। यह सुविदित है कि युद्ध का संकट भारी है और इसमें भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं है। अगर इस सरकार के अलावा कोई और सरकार होती तो भी वह इस युद्ध के संकट के लिये कुछ करने की स्थिति में नहीं थी। इसलिये मैं गैस, तेल आदि के दामों के बढ़ने या कठिनाई के लिये अकेले सरकार को जिम्मेवार नहीं मानता। परंतु एक बात अवश्य है कि जो अपील या लाचारी प्रधानमंत्री जी को अब मई 2026 में नजर आ रही है,क्या इसके मूल कारणों के बारे में उन्होंने पहले विचार किया है? हमारा देश गैस के संकट से भले ही इस प्रकार परेशान पूर्व में न रहा हो परंतु प्रदूषण से रहा है। प्रतिवर्ष कई लाख मौतें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण के कारण होती हैं। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की ओर से लगभग 1998 से धरना, प्रदर्शन, पत्रकार वार्ता और भारत सरकार को ज्ञापन देकर, यह मांग की जाती रही है कि देश में प्रदूषण का बड़ा कारण कारें हैं। अकेले दिल्ली शहर में पंजीकृत और अपंजीकृत कारों की संख्या 80 लाख से 1 करोड़ है, औसतन 5-10 लाख कारें प्रतिदिन दिल्ली के समीप बाहर के राज्यों से दिल्ली में आती रहती हैं। क्या इतनी कारों की उपयोगिता है? यह प्रश्न विचार योग्य है। हमने निरंतर एक सुझाव दिया है कि एक घर-एक कार्य हो और अगर यह सुझाव सरकार ने माना होता तो आज देश की कितनी विदेशी मुद्रा बचती, देश में डीजल, पेट्रोल और गैस की कितनी बचत हुई होती, यह सोचा जाना चाहिए। अगर सरकार ने यह कानून बनाया होता तो देश में लगभग 4 करोड़ कारें सड़कों से हटी होती। याने 40 करोड़ लीटर डीजल, पेट्रोल जिसका आज की दर पर मूल्य लगभग 4000 करोड़ रुपया होगा जो कि प्रतिदिन का बचता। याने एक साल में लगभग 15 लाख करोड़ रुपया सरकार, देश और जनता का बचेगा। प्रदूषण 60 प्रतिशत कम हो जायेगा, सड़कों पर जाम कम हो जायेगा और खेती की जमीन का अधिग्रहण कर नये नये फोरलेन, आठ लेन सड़कों व फ्लाई ओवरों की आवश्यकता उतनी नहीं होगी। परंतु यह काम प्रधानमंत्री जी को आसान नहीं है, क्योंकि कार बनाने वाली कंपनियां अकेले दीपावली के दिन ही 1 लाख से अधिक कारें दिल्ली राजधानी में बेचकर लगभग 10 हजार करोड़ का मुनाफा में कमा लेती हैं और जाहिर है कि इस मुनाफे का एक हिस्सा सत्ता, पार्टी और सत्ता के नजदीक के सत्ताकांक्षी दलों में बंटता है। इस सरकार और राजनीति से ऐसे राष्ट्रहित की अपेक्षा करना भूत से पूत मांगने जैसा है। हालांकि इस युद्ध के संकट को समझकर आज की सरकार यह कदम उठाये तो वह श्रेष्ठकर होगा।

परंतु प्रधानमंत्री जी का आचरण तो उनकी अपनी पार्टी के मंत्री और मुख्यमंत्री छोड़ो, विधायक, सांसद छोड़ो, साधारण कार्यकर्ता को भी नहीं है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री जी के निरंतर झूठ के प्रयोग से वे अपनी नैतिक शक्ति और विश्वसनीयता खो चुके हैं। 11 मई को मप्र में उनकी पार्टी के उज्जैन के कार्यकर्ता जिन्हें शायद मुख्यमंत्री और संघ की कृपा से मप्र पाठ्यपुस्तक निगम का अध्यक्ष मनोनीत किया गया था, अपने पद का प्रभार लेने उज्जैन से चलकर भोपाल आये थे। दैनिक भास्कर के अनुसार उनके काफिले में 800 से अधिक गाड़ियां थीं, याने एक छोटे से पद ग्रहण करने में लगभग 40 लाख रुपये का डीजल पेट्रोल जल गया। इस आक्रमणकारी पद ग्रहण में कितना टोल टैक्स का नुकसान हुआ, कितना जाम लगा, लोगों को कितनी परेशानी हुई, वह तो चर्चा में ही नहीं है। प्रधानमंत्री की अपील के बाद भी मंत्री विधायकों के कार के काफिले, पायलट गाड़ियों के सायरन के साथ-साथ आम जनता को भयभीत करते हुए सड़कें रोंद रहे थे। मुझे एक अधिकारी ने बताया कि एक मुख्यमंत्री जी तो प्रत्येक दिन रात को हैलीकाप्टर से घर जाकर सुबह राजधानी में आ जाते हैं। अभी तो भाजपा और सरकार बंगाल के चुनाव को शाम दाम दंड भेद की जीत के जश्न मनाने में लगी है।

हालांकि प्रधानमंत्री जी का आकलन सही है कि युद्ध के समाप्त होने की संभावनायें जल्दी नजर नहीं आती। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने बयान दिया कि युद्ध के विराम की वार्ता वेंटिलेटर पर है और एक बार वेंटिलेटर पर जाने के बाद मरीज की सांस तभी तक चलती है जब तक वेंटिलेटर पर मरीज रहता है। परंतु कई दिनों के बाद ट्रम्प का यह पहला बयान आया है जो सच के करीब व गंभीर है। दरअसल अमेरिका ईरान से परास्त नहीं हुआ है बल्कि अपनी रणनीति में असफल होने के कारण फँस गया है।

जहाँ तक मेरी जानकारी में है और सीपरी के आंकड़ों के अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि अमेरिका के पास आज भी ईरान व दुनिया को मिटाने की ताकत है। एक छोटा सा परमाणु बम 20 लाख लोगों की जान ले सकता है, परंतु इसका प्रयोग करना अमेरिका के लिये लगभग असंभव कार्य है। ईरान, अमेरिका और इजराइल युति का जो एक बड़ा लक्ष्य था कि ईरान के प्रभावकारी नेतृत्व को खत्म करने के बाद हताश ईरान को समर्पण के लिये लाचार किया जाये तथा जो 4600 किलो संवर्धित यूरेनियम याने परमाणु की शक्ति ईरान ने तैयार कर ली है उसे छीन लिया जाये। ईरान इसके लिये तैयार नहीं है। अमेरिका की इस कमजोरी को अब ईरान भी समझ रहा है क्योंकि अगर अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करेगा तो ईरान भी समाप्त होगा, पर साथ में सटे हुए देश जो अमेरिका समर्थक या गुट में हैं वे भी अगर समाप्त नहीं तो बड़ी हद तक प्रभावित हो सकते हैं। अगर प्रतिकार में ईरान परमाणु शक्ति का प्रयोग यदि वह कर सका तो फिर अमेरिका का बच पाना भी संभव नहीं है। कुल मिलाकर अमेरिका के लिये ईरान से युद्ध गले की हडडी बन चुका है। वह इसे न निगल पा रहा है और न उगल पा रहा है। अब अमेरिका के पास जो दूसरी योजना है, वह ईरान को हथियारों की शक्ति से निरंतर कमजोर करते रहना तथा समर्पण और परमाणु ईंधन सौंपने को लाचार करना है। ईरान भी अपनी इस रणनीतिक पक्ष की ताकत को समझ गया है। इसलिये वह भी लगातार उसी भाषा में उत्तर दे रहा है, जिसमें ट्रम्प बोल रहे हैं। इसलिये अमेरिका के पास हॉर्मूज को घेरना, ईरान के तेल की निकासी को रोकना, दुनिया के दूसरे तेल जहाजों को रोक कर ईरान पर दबाव डालकर उन देशों को अपने साथ लेना या उन्हें अमेरिका के समर्थन के लिये बाध्य करना, बस यही रास्ता बचा है। ईरान के पास जो तेल के भण्डार है उसमें से वह औसतन 3 लाख टन रोज तेल निकालता है और जब ईरान का तेल आना बंद होगा या तो यह भंडार स्वतरू ही नष्ट हो जायेंगे क्योंकि इनमें पानी भरेगा और ईरान आर्थिक रूप से टूटेगा। अमेरिका ने अपने युद्ध के खर्च की पूर्ति जो लगभग 3 लाख करोड़ डॉलर है तेल की कीमतों को बढ़ाकर वापिस लेना शुरू किया है। ईरान ने भी होर्मूज से निकलने वाले तेल के जहाजों पर भारी भरकम टैक्स लगाकर अपने खर्च की वसूली का प्रयास किया था परंतु होर्मूज नहर भी अमेरिका की घेराबंदी से वह प्रयास बहुत प्रभावी नजर नहीं आता। अतरू यह तय है कि युद्ध लंबा चलेगा और वह कई माह ले सकता है।

अमेरिका समर्थक शाह दहलवी को मानसिक दबाव बनाकर ईरान की सत्ता सौंपने के खेल में अमेरिका सफल नहीं हो पा रहा है। क्योंकि आज भी ईरान में ज्यादा समर्थक, ताकत और सैन्य शक्ति धर्मगुरु की परंपरा के खामनई के पास है, ईरान का बहुमत उनके साथ है। इसलिये अमेरिका की रणनीति अब जीतने की नहीं है बल्कि हाथ मरोड़ते रहने के द्वारा जीतने की है। यह लंबा युद्ध कब क्या शक्ल लेना, क्या विश्व युद्ध में बदलेगा, क्या मानवता को नष्ट करेगा या कुछ और हल निकलेगा कहना कठिन है। श्री नरेन्द्र मोदी जी को मैं कहना चाहता हूँ कि उनकी जुबान से महात्मा गांधी का नाम नहीं निकलता यह उनका बौनापन व कुंठा है। दुनिया में सादगी का प्रतीक महात्मा गांधी से बड़ा कोई नहीं है जिसने जीवनभर सादगी अपनाई, सादगी का पाठ पढ़ाया और संचय के विपरीत श्रम की सिफारिश की। आज अगर लाचारी से सही आप सादगी और सोने की खरीद को रोकने की अपील कर रहे हैं अगर इसमें राष्ट्रपिता को भी उद्धृत करते तो देश में एक नैतिक वातावरण बनता। आपकी इस लाचार अपील की तुलना लोग एक पुरानी कहावत से कर रहे हैं 'नारी मरी भई संपति नासी मूड़ मुड़ाई भये सन्यासी'।

युवा मन

प्रशांत सिंह

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में विद्यार्थी हैं।

मुझे मालूम है पानी कहाँ ठहरा हुआ होगा

एक दिन एक रेलवे स्टेशन पर अपने खास मित्र शिवम के साथ खड़ा था। हम दोनों स्टेशन जल्दी पहुंच गए थे और स्टेशन भी बहुत व्यस्त नहीं था तो हमने उस दिन ट्रेन के कलपुर्जों का ठीक से जायजा लेने की ठानी। हम ये देख रहे थे कि काम काज का बटवारा कैसे होता है, ट्रेन का इंजन कैसे बदला जाता है वगैरह-वगैरह। इतने में मेरी नजर पड़ी दो डिब्बों को जोड़ने के लिए एक फिट से भी कम जगह में खड़े एक आदमी पर। वो हाथ से दोनों डिब्बों को जोड़ने वाली बड़ी सी कील सही ठिकाने पर डालने की कोशिश कर रहे थे। मेरे मुंह से निकला भाई कुछ भी हो जाय ये काम मत करना।

इस प्रतिक्रिया का डिब्बा जोड़ने के काम और उससे मिलने वाले दाम से कोई लेना देना नहीं था। एक तस्वीर आंखों में उतर आई थी जो कुछ ही दिनों पहले मैने देखी थी। बिहार के बेगूसराय से आई थी वो तस्वीर। मैने कहा शिवम हम लोग कोई बिजनेस कर लेंगे पॉलिटिक्स में चले जाएंगे पर तुम ये वाला फॉर्म नही भरना यार।

यह मैं इसलिए बता रहा हूं कि (आरआरबी ग्रुप डी) का एग्जाम जिसमें सफल होने के बाद ये नौकरियां मिलती हैं उसमें एक करोड़ से ऊपर फॉर्म भरे जाते हैं हमारे देश में। यहां से बात शुरु करने की मुख्य वजह यह है कि मैं ये साफ करना चाह रहा था कि इस परीक्षा में सफल होने पे कोई बड़ा बंग्ला गाड़ी या नौकर चाकर नहीं मिलते पर इस तरह आदमी से खबर हो जाने का पूरा इंतजाम है। नीट का पेपर फिर से लीक हुआ और यह देख कर अच्छा लग रहा है कि एक सवाल सामूहिक रूप से व्यवस्था से पूछा जा रहा है। परंतु सवाल यहां से नहीं पूछे जाने चाहिए। सवाल शुरू से पूछना पड़ेगा।

उत्तर भारत में आज भी एक बड़ा युवा वर्ग स्टॉफ सलेक्शन कमिशन (एसएससी) द्वारा ली जाने वाली सीजीएल और सीएचएसएल परीक्षाओं पर आने वाले भविष्य के सपने टिकाए खड़ा है। रेलवे की एनटीपीसी और ग्रुप डी जैसी नौकरियों से आस लगाने वालों की भरमार है। टीचर बनने का सपना संजोने वाले भी लाखों की भीड़ में हैं। इन सभी लोगों की एक साझा समस्या है पेपर लीक। इस समस्या को सुलझाने के कुछ उपाय हैं। पहला उपाय ये है कि इनको किसी ठीक से कम्युनिकेशन में मास्टर आदमी से मोटिवेशन दिलवाया जाय कि देखिए सरकारी नौकरियां तो सिर्फ 2 प्रतिशत ही हैं। इन सब संस्थानों में तो ऐसा होता रहता है आप अपनी युवावस्था की ऊर्जा का ठीक तरीके से इस्तेमाल करें, कोई उद्यम करे, कोई और रास्ता खोजें, आज तो आप के पास आकाश भर संभावनाएं हैं।

दूसरा है राजनीतिक पार्टियां अपने मेनिफेस्टो में एक दो करोड़ के आस पास नौकरियां देने का डेटा शामिल करें। और स्टार प्रचारक को इस काम में लगाएं कि वो परीक्षार्थियों को ये विश्वास दिला सकें कि हम जैसे ही सत्ता में आएंगे पहले इस तरह की धांधली पर रोक लगाएंगे तब जाकर पानी चाय पियेंगे। दो पंचवर्षीय योजना जितने समय को दिमाग में लेकर तैयारी करने वाले 'युवा भारत' के युवाओं को संघर्ष की कविताओं और शेरों से भी कुछ मरहम लगाया जा सकता है। सोच के देखिए नीलोत्पल मृणाल सुना रहे हों - कोई बलिया, देवरिया, कोई आजमगढ़ से आया है,

हजारों गाँव इलाहाबाद पैदल चलकर आया है,
बाबूजी चिंता न कर ... कोई ये कह कर आया है,
कई बेटियों का हौसला भी बाप से लड़कर आया है,
हजारों ख्वाब का लश्कर पटरिया चढ़कर आया है।

तो कौन सा पत्थर दिल होगा जिसे सुकून नहीं मिलेगा। इसके बाद आते हैं कोचिंग इंस्टीट्यूट और सेलिब्रिटी टीचर। हर परीक्षा की सबसे सटीक तैयारी का दावा इनकी जुबान पर है। सबने ये प्रोफेशन सिर्फ समाज सेवा के लिए चुना है। इस समाज सेवा के अंतर्गत बीच- बीच में सेमिनार, मुफ्त पुस्तक वितरण, और भंडारे का आयोजन किया जाता है। इन सभी गुरुजनों के पुण्य प्रताप से विद्यार्थी पेपर लीक होने के दंश को झेलने का साहस जुटा लेता है। और फिर से लग जाते हैं अगली नोटिफिकेशन और डेडलाइन के चक्कर में। बिना किसी लागलपेट के कहूं तो इतनी सी बात है कि भीख नहीं मांग रहे हैं ये लोग। बरसों हुए इन्हें घरों से निकले, अब घर जाने की इच्छा नहीं बची। इस तंत्र में जहां रातों रात मंदिर, मस्जिद, पेड़, मकान, दुकान कुछ भी गायब कर देने की हिम्मत है वह यह पता नहीं लगा पा रही है कि इनकी जिंदगियों से खेल कौन रहा है।

ये सब झूठी अफवाहें हैं कि इलाहाबाद जिसे आज प्रयागराज कहते हैं, वहां बच्चों को दाल भात और चोखा बहुत पसन्द है। ये सबसे सस्ता खाना है जो यहां रहने वाला बच्चा अफोर्ड कर सकता है। चार रुपए की चाय वाली दुकान पर भीड़ इसलिए नहीं है कि वह सबसे अच्छी चाय बनाता है बल्कि इसलिए है कि वो चार रुपए में देता है। माननीय मुख्य न्यायाधीश जाने अनजाने जिस प्रजाति की बात कर रहे थे वो ऐसे ही शहरों में छोटे छोटे कमरों में बंद है।

मैने बहुत पास से देखी है इनकी बेचैनी, इन्हें पता है कि भाग्यउदय की सारी चाभियां कहां रखी गई हैं। ये वो लोग है जिन्होंने अपने सारे क्रिएटिव सपने भविष्य की गोंद में दे रखे हैं। किसी को घूमने लद्दाख जाना है, किसी के प्रेम की परिणति इस बात पर निर्भर करती है कि एग्जाम टाइम पर हो, और सिलेक्शन हो। किसी को पेंटिंग का शौक है, किसी ने गिटार और तबला सीखने का फैसला एग्जाम के रिजल्ट पर डाल रखा है। कितनी लडकियों की आजादी की एक्सपायरी डेट आगे बढ़ने के बाद भी समाप्त हो रही है।

छोटे- छोटे कमरों में रह कर जिंदगी गुजार रहे ये लोग जानते हैं कि दिक्कत कहां है। दर्जनों से अधिक एग्जाम के पेपर लीक होने की सूचना है। प्रजातंत्र के पहरेदारों और पालनहारों अब पानी सर से ऊपर जा रहा है। यदि ईश्वर में विश्वास करते हैं तो बद्दुआ से डरिए। यदि नहीं करते तो दुनिया का इतिहास पढ़िए। एसी के कमरों में बैठ कर इनका भाग्य लिखने वालों, सुबह उठने पर भी पसीने से भीगी पीठ लिए ये लोग जिस दिन अपना सब्र खोएंगे, आपकी नॉनरोटी और जाम गले से नीचे नहीं जाएगा।

पता है सब हमें -
ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा,
मैं सजदे में नहीं था, आपको धोखा हुआ होगा।
यहाँ तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियाँ,
मुझे मालूम है पानी कहाँ ठहरा हुआ होगा। (दुष्यंत कुमार)

अगर आप यहां तक आ गए हैं तो मेरी एक गुज़ारिश और मान लीजिए, आपने बाल मोहन पाण्डेय की नज़्म 'अंधभक्त' नहीं सुनी या पढ़ी तो कृपया सुनिएगा जरूर।

विश्वस्तरीय शोधों पर आधारित शिक्षा का नवाचारी स्वरूप

सर्जनात्मक शिक्षा

अनुपमा तिवाड़ी

समीक्षक

भारत में शिक्षा की दुनिया में लंबे समय के बाद डॉ. राघवप्रकाश और डॉ. सविता पाईवाल की 'सर्जनात्मक शिक्षा' पुस्तक आई है जिसमें दुनिया की शिक्षा को आमूलचूल बदलने की बात की गई है। लेखक के विद्यालय और उच्च शिक्षा के अनुभव, अनेक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्रशासक के रूप में लिए गए अंतरंग अनुभव, पूर्व और पश्चिम के लगभग सौ शिक्षाशास्त्रियों, धर्मशास्त्रियों, राजनीतिज्ञों, वैज्ञानिकों आदि के द्वारा प्रकाशित शोधपूर्ण पुस्तकों के गहन अध्ययन के बाद जो जीवन और शिक्षा की दृष्टि बनी है पुस्तक, उसका दस्तावेज है।

आज दुनिया में विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के बावजूद आज इंसान अधिक अशांत हुआ है। इसके कारणों में यदि हम जाएँ तो एक बड़ा कारण हमें दिखाई देता है कि हम सर्जनात्मक शिक्षा विकसित नहीं कर पाये। सर्जनात्मक शिक्षा देना बहुत आसान है क्योंकि मूलत: बच्चा नैतिक ही होता है। मनुष्य के चित्त के अनेकानेक गुणों में एक गुण यह भी है कि वह बदला जा सकता है। एक नैतिक वातावरण तैयार करके मनुष्य को एक बेहतर मनुष्य बनाया जा सकता है। आखिर, मनुष्य के लिए जीवन ज़िंदा रहने भर का मसला नहीं है, मसला है कि अधिक जीवन सार्थक कैसे हो? शिक्षा की यह पुस्तक इसी मूल्यवान संकल्प की क्रियान्विति को समर्पित है। पुस्तक चार भागों में है अशिक्षित शिक्षा का चेहरा, सर्जनात्मक शिक्षा का चेहरा, सर्जनात्मक शिक्षा का क्रियान्वयन और सर्जनमक शिक्षा का प्रबंधन। इस

प्रकार पुस्तक मूल समस्या को उठाते हुए समाधान तक ले जाने के रास्ते सुझाती है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.- 453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

यूँ ही कोई मिल गया था चलते-चलते

पम्प पर अपनी सफ़ेद स्कार्पिओ में फुल टेंक करवा के गनसिंह गनगने बिल चेक कर रहे थे तभी उनकी नजर हम पर पड़ी। बोले – तुम इधर कैसे?

पेट्रोल लेने वालों से सवाल पूछ रहा हूँ, अख़बार के लिये बाइट।

क्या बोल रहे हैं ?

भाव बढ़ गए हैं इसलिए खुश नहीं हैं।

डीजल पेट्रोल का भाव कितना भी हो जाए किसीके मूँ से न चूँ नहीं निकलना चिये। पाँच सौ का मिलेगा तो भी कोई दिक्कत नहीं है, पाँच हजार का मिलेगा तो भी चलेगा। देशभक्ति चीख चीख के पुकार रही है, सबको साथ देना पड़ेगा।

लोग नाराज हैं। महंगाई बढ़ रही है।

कौन नाराज है? कोई हिम्मत कैसे कर सकता है नाराज होने की। नाम पते बताओ उनके।... क्या पुराने जमाने में रह रहे हैं लोग !! देशप्रेम पहले,

पेट्रोल डीजल बाद में। ये बात हरेक के दिमाग़ में आना जरूरी है। आई समझ में? एक बात समझ लो, एकता में शक्ति होती है। सबने मिलके थाली बजाई , ताली बजाई तो कोरोना खतम हो गया। खतम हुआ कि नहीं? हुआ जी हुआ। इसी तरह किसी दिन सबसे थाली बजवा देंगे तो महंगाई भी खतम हो जाएगी। कोई बड़ी बात थोड़ी है। वे सीना चौड़ा करते हुए बोले। तो जल्दी बजवा देना चाहिए। कहीं कांग्रेस वालों को आइडिया आ गया तो फटाफट सरकार बना लेंगे। उनको कैसे आ सकता है आइडिया!! वो क्या जमीन से जुड़े हैं! वो क्या जनता कि नब्ज पहचानते हैं। इनके पास काबिल नेतृत्व होता तो थाली बजा कर अंग्रेजों को बहुत पहले भगा देते। उन्होंने बड़ा पॉइंट बताया। गाँधी जी तो थे कांग्रेस के पास। मतलब काबिल नेतृत्व ...। उन्हें याद दिलाया। कांग्रेस के पास गाँधी कब नहीं रहे! लेकिन नए नए आइडिया तो अब आ रहे हैं जब कांग्रेस सत्ता में नहीं है। देश सोने की चड़िया था किसी जमाने में।

हाँ जी, प्राचीन काल में था। किताबों में लिखा है। तो अगर हमें देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाना है तो किधर जाना पड़ेगा? वापस पीछे जाना पड़ेगा या नहीं?

कोई देश वापस पीछे कैसे जा सकता है?.. सर। यही तो आइडिये कि बात है। कोशिश करने से क्या नहीं हो सकता है। हमेशा आगे बढ़ोगे तो एक दिन खाई में भी गिर सकते हो।... मान लो तुम्हारा बटुआ पार्क के गेट पर गिर जाए और तुम आगे निकल जाओ तो बटुआ लेने वापस यानी पीछे जाओगे या नहीं? हाँ जी, ठीक बात है। लेकिन दुनिया तो आगे बढ़ रही है! दुनिया में हरेक के पास बटुआ नहीं है। हमारे पास था, इसलिए हमें उसकी फ़िक्र है। लेकिन बटुए में पुरानी करंसी होगी। आज कि जरूरत अलग है। समय के साथ चीजों में बदलाव होता जाता है। इसी को विकास भी कहते हैं।

लगता है तुम वामपंथी हो!! वामपंथी !! ये क्या होता है सर जी?!! पता तो मेरे को भी नहीं है। पर होता है कुछ कोरोना जैसा, जिसको खतम करना जरूरी है। कोई वामपंथी मिले तो बताना। उन्होंने ऊँगली दिखाते हुए हिदायत दी।

बिलकुल बताऊंगा सर। आप तो ताली बजवा देना, सब साफ हो जाएंगे दन्न से। तुम जबरन अपना दिमाग़ मत लगाओ ! अपना समय खराब कर रहे हो! जगह जगह भटक कर बाइट ले रहे हो! इतनी मगजमारी किसलिए!! गोदी में आ जाओ सब झंझट खतम। .... और ये भी देशभक्ति है..... आज कि डेट में।

गंगा दशहरा पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

स्वर्ग से धरती तक गंगा का दिव्य अवतरण और मोक्ष की अमृतधारा

गंगा दशहरा का शाब्दिक अर्थ भी अत्यंत गूढ़ है। 'दश' अर्थात् दस और 'हरा' अर्थात् नष्ट करने वाला। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के दस प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं। इनमें तीन शारीरिक, चार वाणी से संबंधित और तीन मानसिक पाप शामिल हैं। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन श्रद्धा और भक्ति से गंगा स्नान करने पर व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य प्राप्त होता है तथा मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। गंगा दशहरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व भी है। भारतीय जीवन में गंगा का महत्व जन्म से मृत्यु तक जुड़ा हुआ है। किसी शुभ कार्य से पहले गंगाजल का प्रयोग हो या अंतिम संस्कार के बाद अस्थियों का गंगा में विसर्जन, गंगा हर संस्कार में उपस्थित रहती हैं। गंगा जल को अमृत समान माना जाता है।

भारतीय संस्कृति में नदियों को केवल जलधारा नहीं बल्कि जीवन, चेतना और मोक्ष का स्रोत माना गया है। इनमें भी मां गंगा का स्थान सर्वोच्च है। करोड़ों भारतीयों की आस्था का केंद्र गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि सनातन सभ्यता की आत्मा हैं। हिमालय की गोद से निकलकर मैदानों को जीवन देने वाली गंगा सदियों से भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, कृषि, साहित्य और लोकजीवन की धुरी रही है। यही कारण है कि गंगा को 'मां', 'भागीरथी', 'जाह्नवी', 'मोक्षदायिनी' और 'पतित पावनी' जैसे दिव्य नामों से पुकारा जाता है।

ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला गंगा दशहरा इसी दिव्य चेतना और गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का महापर्व है। मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थी। इस वर्ष गंगा दशहरा 25 मई, सोमवार को मनाया जा रहा है। इस बार यह पर्व अत्यंत शुभ और दुर्लभ संयोगों में आ रहा है। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि 25 मई को प्रातः 4 बजकर 30 मिनट से प्रारंभ होकर 26 मई को प्रातः 5 बजकर 10 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि, हस्त नक्षत्र, रवि योग तथा गुरु-चंद्रमा की युति के कारण 25 मई को ही गंगा दशहरा मनाया जाएगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह अत्यंत पुण्यदायी माना जा रहा है। सनातन परंपरा के अनुसार मां गंगा मूलतः ब्रह्मलोक में निवास करती थी।

पौराणिक कथाओं में वर्णन है कि राजा सगर के साठ हजार पुत्र कपिल मुनि के श्राप से भस्म हो गए थे। उनके उद्धार के लिए राजा भगीरथ ने कठोर तपस्या की। वर्षों तक तप करने के बाद ब्रह्मा जी प्रसन्न हुए और उन्होंने गंगा को पृथ्वी पर भेजने की अनुमति दी किंतु गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसका वेग सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को धारण कर उनके वेग को नियंत्रित किया और धीरे-धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। इसी कारण भगवान शिव को 'गंगाधर' भी कहा जाता है। राजा भगीरथ के अथक प्रयासों के कारण ही गंगा को 'भागीरथी' कहा गया और किसी कठिन कार्य के लिए आज भी 'भगीरथ प्रयास' शब्द का प्रयोग किया जाता है। गंगा दशहरा का शाब्दिक अर्थ भी अत्यंत गूढ़ है। 'दश' अर्थात दस और 'हरा' अर्थात नष्ट करने वाला। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के दस प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं। इनमें तीन शारीरिक, चार वाणी से संबंधित और तीन मानसिक पाप शामिल हैं। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन श्रद्धा और भक्ति से गंगा स्नान करने पर व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य प्राप्त होता है तथा मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। गंगा दशहरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व भी है। भारतीय जीवन में गंगा का महत्व जन्म से मृत्यु तक जुड़ा हुआ है। किसी शुभ कार्य से पहले गंगाजल का प्रयोग हो या अंतिम संस्कार के बाद अस्थियों का गंगा में विसर्जन, गंगा हर संस्कार में उपस्थित रहती हैं। गंगा जल को अमृत समान माना जाता है। वैज्ञानिक शोधों में भी पाया गया है कि गंगा जल में विशेष प्रकार के जीवाणुनाशक तत्व मौजूद हैं, जो लंबे समय तक जल को खराब नहीं होने देते। यही कारण है कि सदियों से लोग गंगाजल को पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक मानते आए हैं।

गंगा दशहरा के दिन हरिद्वार, ऋषिकेश, प्रयागराज, वाराणसी, गढ़मुक्तेश्वर, पटना और पश्चिम बंगाल के अनेक घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। प्रातःकाल श्रद्धालु गंगा में स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देते हैं तथा मां गंगा की पूजा-अर्चना करते हैं। शाम को घाटों पर भव्य गंगा आरती होती है, जहां दीपों की पंक्तियां, मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि वातावरण को दिव्यता से भर देती है। वाराणसी के दशाश्वमेध घाट की महाआरती विशेष आकर्षण का केंद्र होती है। वहीं पटना के गांधी घाट और हरिद्वार के हर की पौड़ी पर होने वाली आरती का दृश्य अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। इस दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु जल से भरे कलश, पंखे, छाता, वस्त्र, जूते-चप्पल, खरबूजा, तरबूज, खीरा तथा शीतल पेय पदार्थों का दान करते हैं। गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को शरबत, लस्सी और शिकंजी पिलाने की परंपरा भी इसी करुणा और सेवा भावना का प्रतीक है। धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि गंगा दशहरा पर जलदान करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

जो लोग गंगा नदी तक नहीं पहुंच सकते, वे घर में स्नान के जल में थोड़ा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं और मां गंगा का ध्यान कर सकते हैं। मान्यता है कि श्रद्धा और सच्चे मन से किया गया स्मरण भी पुण्य प्रदान करता है। अनेक लोग इस दिन गंगा स्तोत्र, गंगा चालीसा और विष्णु सहस्रनाम का पाठ भी करते हैं। गंगा दशहरा का महत्व केवल आध्यात्मिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज गंगा प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे, औद्योगिक अपशिष्ट और अतिक्रमण जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं। जिस गंगा को भारतीय संस्कृति ने मां का दर्जा दिया, उसी मां की स्वच्छता और निर्मलता आज गंभीर चुनौती बनी हुई है। करोड़ों लोगों की जीवनरेखा मानी जाने वाली गंगा की रक्षा करना केवल सरकार का ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। पिछले कुछ वर्षों में 'नमामि गंगे' जैसी योजनाओं के माध्यम से गंगा की सफाई और संरक्षण के लिए बड़े प्रयास किए गए हैं। अनेक शहरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए हैं और घाटों का विकास किया गया है। इसके बावजूद जब तक समाज स्वयं जागरूक होकर गंगा को प्रदूषित करने से नहीं रुकेगा, तब तक गंगा को पूरी तरह निर्मल बनाना कठिन होगा। गंगा दशहरा हमें केवल पूजा करने का संदेश नहीं देता बल्कि यह संदेश भी देता है कि जिस नदी से हमारा अस्तित्व जुड़ा है, उसकी रक्षा करना भी हमारा धर्म है।

भारतीय दर्शन में नदियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं बल्कि दिव्य ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। गंगा का प्रवाह हमें निरंतर आगे बढ़ने, सबको जीवन देने और सबका कल्याण करने की प्रेरणा देता है। गंगा का जल जिस प्रकार सबको समान रूप से तृप्त करता है, उसी प्रकार मानव जीवन में भी उदारता, सेवा और करुणा का प्रवाह होना चाहिए।

आज जब दुनिया जल संकट, प्रदूषण और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब गंगा दशहरा का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन का महत्व समझाता है। वास्तव में गंगा केवल नदी नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की अविरल चेतना हैं, जो हजारों वर्षों से मानवता को पवित्रता, करुणा और मोक्ष का संदेश देती आ रही हैं। गंगा दशहरा का यह पावन पर्व हमें आत्मशुद्धि, सेवा, दान, श्रद्धा और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। यदि हम इस अवसर पर केवल गंगा स्नान ही नहीं, गंगा संरक्षण का संकल्प भी लें, तभी इस पर्व की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। मां गंगा की अविरल और निर्मल धारा सदैव मानवता को जीवन, शांति और मोक्ष का मार्ग दिखाती रहे, यही इस पावन पर्व की सबसे बड़ी कामना है।

विकास का गणित

अजीत लाड़

(स्वतंत्र लेखक एवं पत्रकार)

विकास की अंधी दौड़ और बढ़ती गर्मी में घुटती सांसें

समाजशास्त्र हमें यह समझाता है कि किसी भी समाज की प्रगति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि, ऊंची इमारतों या चमकदार शहरों से नहीं मापी जा सकती। किसी समाज का वास्तविक विकास इस बात से तय होता है कि वह अपने प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण और मानवीय जीवन के साथ कैसा संबंध बनाता है। आज जब दुनिया बढ़ती गर्मी, अनियमित वर्षा और जल संकट का सामना कर रही है, तो यह केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है; यह सामाजिक संरचना और विकास की हमारी सोच का संकट भी है।

कुछ दशक पहले भारतीय समाज का प्रकृति से संबंध उपयोग का नहीं, सह-अस्तित्व का था। गांवों में पेड़ सिर्फ लकड़ी नहीं थे; वे सामाजिक जीवन का हिस्सा थे। तालाब केवल जल संग्रहण का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक संपर्क के केंद्र थे। लेकिन आधुनिक विकास मॉडल ने प्रकृति और समाज के इस संबंध को बदल दिया। जंगलों को भूमि संसाधन, नदियों को परियोजना और पेड़ों को विकास में बाधा मान लिया गया और यही वजह है कि भारत इस समय केवल बढ़ती गर्मी नहीं झेल रहा, बल्कि अपने विकास मॉडल की एक असहज सच्चाई से भी गुजर रहा है। सड़कों का जाल बिछ रहा है, शहर ऊपर की ओर फैल रहे हैं, इमारतें आसमान छू रही हैं और विकास के दावे लगातार ऊंचे होते जा रहे हैं। इसी शोर के बीच एक ऐसी खामोशी भी गहरी होती जा रही है। जिसमें पेड़ों के कटने की, सूखते जल स्रोतों की और बदलते मौसम की मार शामिल है।

यह प्रश्न अब केवल पर्यावरण का नहीं रह गया। यह समाज, जीवन और भविष्य का प्रश्न बन चुका है। एक समय था जब मौसम की अपनी एक लय होती थी। गर्मी अपने समय पर आती थी, बारिश का एक निश्चित क्रम होता था और सर्दियां अपनी पहचान रखती थीं। अब मौसम का व्यवहार अस्थिर दिखाई देता है। मार्च में मई जैसी तपन महसूस होती है, कई क्षेत्रों में सर्दियां छोटी हो रही हैं, कहीं कुछ घंटों की बारिश शहरों को जलमग्न कर देती है तो कहीं लंबे समय तक बादल बिना बरसे गुजर जाते हैं। प्रकृति का यह बदलता व्यवहार किसी रहस्यमय घटना का परिणाम नहीं, मानवीय गतिविधियों की लंबी श्रृंखला का प्रतिफल है। वैज्ञानिक आंकड़े इस चिंता को और स्पष्ट करते हैं।

पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक काल की तुलना में लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ चुका है। जलवायु विशेषज्ञों का मानना है कि तापमान में मामूली वृद्धि भी हीटवेव, सूखा, अतिवृष्टि और जल संकट जैसी घटनाओं को अधिक तीव्र बना देती है। भारत इस संकट के केंद्र में खड़ा दिखाई देता है। दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, जबकि वैश्विक मीठे जल संसाधनों का केवल लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा देश के पास है। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च या अत्यधिक जल संकट की स्थिति का सामना कर रहे हैं। ऐसे में इन आंकड़ों के पीछे केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, एक सामाजिक कहानी भी छिपी हुई है।

विकास की वर्तमान अवधारणा ने शहरों को धीरे-धीरे कंक्रीट के जंगलों में बदल दिया। जहां कभी मिट्टी थी, वहां सीमेंट की परतें बिछ गईं। जहां पेड़ों की छांव होती थी, वहां पार्किंग और बहुमंजिला ढांचे खड़े हो गए। जहां तालाब थे, वहां कॉलोनियां बस गईं। इतना ही नहीं शहरों का बदलता स्वरूप भी इस संकट का बड़ा कारण है। पिछले कुछ दशकों में शहरों का विस्तार हुआ, लेकिन उसके साथ हरियाली नहीं बढ़ी। पेड़ों की जगह पार्किंग आई, तालाबों की जगह कॉलोनियां बनी और मिट्टी की जगह सीमेंट बिछा दिया गया। आज शहर कंक्रीट के जंगल बनते जा रहे हैं। वैज्ञानिक इसे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव कहते हैं, जिसमें कंक्रीट और डामर दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में छोड़ते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि शहरों का तापमान आसपास के क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। जर्मन समाजशास्त्री उलरिच बेक ने अपनी जोखिम समाज अवधारणा में चेताया था कि आधुनिक विकास केवल सुविधाएं नहीं लाता, वह ऐसे जोखिम भी पैदा करता है जो धीरे-धीरे पूरी मानव सभ्यता को प्रभावित करने लगते हैं। जलवायु परिवर्तन आज उसी चेतावनी की सबसे स्पष्ट तस्वीर बनकर सामने खड़ा है।

अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव केवल मौसम तक सीमित नहीं है। इसका असर सीधे मनुष्य के शरीर, स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी के साथ हीट स्ट्रोक, श्वसन संबंधी बीमारियां और जल संकट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। सबसे अधिक प्रभावित वह वर्ग हो रहा है जो खुले आसमान के नीचे जीवन और श्रम करता है। एक वातानुकूलित कार्यालय में बैठा व्यक्ति और सड़क निर्माण स्थल पर काम करने वाला मजदूर एक जैसी गर्मी का अनुभव नहीं करते। एक परिवार पानी खरीद सकता है, दूसरा परिवार पानी के एक टैंकर का इंतजार करता है। पर्यावरणीय संकट का बोझ समान रूप से वितरित नहीं होता। उसका सबसे भारी भार अक्सर उन कंधों पर आता है जिन्होंने इस संकट को पैदा करने में सबसे कम योगदान दिया होता है।

समस्या विकास में नहीं है। समस्या उस सोच में है जिसने विकास और प्रकृति को दो अलग दिशाओं में खड़ा कर दिया। पेड़ विकास के विरोधी नहीं हैं। जल स्रोत बाधा नहीं हैं। जंगल खाली जमीन नहीं हैं। सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी आर्थिक गति से नहीं होती। उसकी पहचान इस बात से होती है कि उसने अपनी अगली पीढ़ी के लिए कैसी दुनिया छोड़ी। यदि विकास का अर्थ केवल कंक्रीट की ऊंचाई रह गया और सांस लेने योग्य हवा पीछे छूट गई, तो आने वाला समय हमारी उपलब्धियों का नहीं, हमारी दूरदर्शिता की कमी का दस्तावेज बनेगा। इतिहास उन सभ्यताओं को अधिक देर तक याद रखता है जिन्होंने निर्माण के साथ संरक्षण को भी महत्व दिया और भविष्य की कीमत पर वर्तमान का उत्सव नहीं मनाया।

चोल साम्राज्य के साक्ष्य

दुर्गेश्वर राय

लेखक शिक्षक और शैक्षिक संवाद मंच के संयोजक हैं।

आनाइमंगलम ताम्रपत्रों की वतन वापसी गौरवपूर्ण

भारतीय सांस्कृतिक कूटनीति के इतिहास में एक और अध्याय उस समय जुड़ गया जब नीदरलैंड्स की प्रसिद्ध लीडेन यूनिवर्सिटी द्वारा 11वीं शताब्दी के ऐतिहासिक चोल ताम्रपत्रों जिन्हें लीडेन प्लेट्स या आनाइमंगलम ताम्रपत्र कहा जाता है, को भारत सरकार को सौंप दिया गया। नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन ने खुद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भव्य आधिकारिक द्विपक्षीय बैठक के दौरान ये अमूल्य ताम्रपत्र सौंपे। इस सर्वोच्च राजनैतिक हस्तांतरण के समानांतर, कानूनी और कागजी औपचारिकताओं को पूर्ण करने के लिए लीडेन यूनिवर्सिटी की चांसलर प्रो. डॉ. हेस्टर बिजल ने नीदरलैंड्स में भारत के राजदूत डॉ. प्रदीप कुमार रावत के साथ अंतिम विधिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए और पट्टिकाओं को ऑन-पेपर सुपुर्द किया। लगभग तीन दशकों के कूटनीतिक प्रयासों और गहन वार्ता के बाद लगभग तीस किलोग्राम वजनी, शाही कांस्य अंगूठी के साथ बंधी हुई इक्कीस बड़ी और तीन छोटी तांबे की पट्टिकाओं की भारत वापसी मध्यकालीन भारत के सबसे प्रतापी और दूरदर्शी साम्राज्य के एक खोए हुए कानूनी व सांस्कृतिक दस्तावेज का पुनरुद्धार था। यह घटना हमें आज से एक हजार वर्ष पूर्व के उस दौर में ले जाती है जब भारत की नौसैनिक शक्ति, व्यापारिक कूटनीति और सांस्कृतिक सहिष्णुता का डंका सुदूर दक्षिण-पूर्व एशिया तक बजता था।

इन ऐतिहासिक प्लेटों के सूत्रधार चोल राजवंश के दो सबसे महान नायक थे - राजराज चोल प्रथम और उनके सुपुत्र राजेंद्र चोल प्रथम। दसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जब राजराज प्रथम ने सिंहासन संभाला, तो उन्होंने दक्षिण भारत को एक सूत्र में पिरोने के साथ-साथ एक अभूतपूर्व नौसैनिक साम्राज्य की नींव रखी। उन्होंने श्रीलंका का अधिकांश उत्तरी भाग जीत लिया। राजराजा एक अदम्य योद्धा और एक कुशल प्रशासनिक सुधारक थे, जिन्होंने विशाल तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण कराकर चोल वास्तुकला को अमर कर दिया। उनके बाद उनके प्रतापी पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम ने बंगाल के पाल शासक महिपाल को हराकर साम्राज्य का विस्तार उत्तर में गंगा नदी के तटों तक किया और गंगईकोंड की उपाधि धारण करने के साथ गंगईकोंडचोलपुरम नामक नई राजधानी बसाई और चोलगंगम नामक एक तालाब खुदवाया जिसमे बंगाल से लाया गया गंगाजल मिलाया गया। उन्होंने श्रीलंका के बचे भाग को जीतकर वहाँ के राजा महेंद्र पंचम को बंदी बना लिया। उन्होंने मलेशिया और इंडोनेशिया तक अपनी नौसेना का परचम लहराया। एक समय ऐसा था जब चीन भी राजेंद्र चोल प्रथम से डरता था। लीडेन प्लेट्स वास्तव में इन दोनों राजाओं के शासनकाल के बीच का एक अनूठा सेतु हैं। इस विशाल दस्तावेज़ की मौखिक घोषणा और भूमि दान का मूल आदेश राजराज चोल प्रथम के शासनकाल के 21वें वर्ष लगभग 1005 ई. में जारी किया गया था, परंतु इस राजकीय आदेश को पूर्ण रूप से ताम्रपत्रों पर उत्कीर्ण करने और उसे अंतिम रूप देने का कार्य उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम के शासनकाल में संपन्न हुआ। इसलिए ये प्लेटें चोल सत्ता के सुचारू और नियमबद्ध हस्तांतरण की प्रशासनिक निरंतरता को भी प्रमाणित करती हैं।

ये चौबीस ताम्रपत्र दो भागों में विभाजित एक विस्तृत कानूनी सनद हैं। इसका प्रारंभिक और बड़ा हिस्सा संस्कृत भाषा में है, जबकि इसके बाद का प्रशासनिक विवरण प्राचीन तमिल लिपि में दर्ज है। संस्कृत भाग की शुरुआत चोल वंश की पौराणिक वंशावली से होती है, जिसमें सूर्यवंश से लेकर राजराज और राजेंद्र चोल के शौर्य, यज्ञों और दानशीलता का काव्यात्मक वर्णन है। इसमें भगवान विष्णु और शिव की स्तुतियाँ शामिल हैं, जो राजा की दिव्य सत्ता और धार्मिक निष्ठा को रेखांकित करती हैं। वहीं दूसरी ओर, तमिल भाग शुद्ध रूप से व्यावहारिक, प्रशासनिक और आर्थिक विवरणों से भरा है। इसमें आनाइमंगलम नामक एक पूरे समृद्ध गांव को कर-मुक्त भूमि पल्लिच्चंदम के रूप में दान दिए जाने की संपूर्ण विधिक प्रक्रिया का उल्लेख है। इस भाग में गाँव की सीमाओं का निर्धारण करने के लिए चोल अधिकारियों द्वारा किए गए भूमि सर्वेक्षण, सिंचाई के लिए जल-वितरण के नियमों, करों की श्रेणियों और स्थानीय कर-मुक्ति के विशेषाधिकारों का ऐसा सूक्ष्म विवरण मिलता है, जो समकालीन इतिहासकारों को चोल काल की उन्नत राजस्व प्रणाली और राजस्व रिकॉर्ड-कीपिंग की उच्च तकनीक से विस्मित कर देता है।

ये ताम्रपत्र इस बात का अकाट्य साक्ष्य हैं कि चोल राजा स्वयं परम शैव अर्थात भगवान शिव के उपासक होने के बावजूद अन्य धर्मों के प्रति कितने उदार और सम्मानजनक थे। इन प्लेटों के अनुसार, यह भूमि दान किसी हिंदू मंदिर के लिए नहीं, बल्कि तटीय व्यापारिक नगर नागपट्टिनम में निर्मित एक बौद्ध विहार के रखरखाव के लिए दिया गया था। इस बौद्ध विहार का नाम चूड़ामणिवर्मन विहार था, जिसका निर्माण सुदूर सुमात्रा और जावा के श्रीविजय साम्राज्य के शैलेंद्र वंशीय राजा मारविजयोत्तुंगवर्मन ने अपने पिता चूड़ामणिवर्मन की स्मृति में करवाया था। ग्यारहवीं सदी का यह अंतरराष्ट्रीय संबंध दर्शाता है कि भारत के दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक, राजनयिक और सांस्कृतिक संबंध कितने प्रगाढ़ थे। श्रीविजय साम्राज्य के बौद्ध राजा ने भारत की धरती पर अपनी आस्था का केंद्र बनाया और भारत के हिंदू राजा ने सहर्ष उस विदेशी बौद्ध संस्थान को वित्तीय स्थिरता देने के लिए एक पूरा गाँव दान में दे दिया। यह आलेख साबित करता है कि भारत की वसुधैव कुटुंबकम और धार्मिक सद्भाव की नीति कोई आधुनिक विचार नहीं है, बल्कि हमारी रगों में एक हजार साल पहले भी उतनी ही जीवंत थी।

परंतु, प्रश्न यह उठता है कि भारत के इतिहास का यह अनमोल ताम्रपत्र नीदरलैंड्स की लीडेन यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी तक कैसे पहुँच गया? इस सवाल का उत्तर छुपा है यूरोपीय औपनिवेशिक काल के उस क्रूर और लालची इतिहास में, जिसने भारत की सांस्कृतिक संपदा को सदियों तक लूटा। किसी सभ्यता को मिटाना है तो उसकी सांस्कृतिक विरासत को उनसे दूर कर दो। आने वाली पीढ़ी धीरे-धीरे उस गरिमा से अनजान हो जाएगी। सत्रहवीं शताब्दी में जब डच ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत के कोरोमंडल तट पर अपने व्यापारिक पैर पसारे, तो उन्होंने नागपट्टिनम को अपना एक मुख्य केंद्र बनाया। डच व्यापारियों और अधिकारियों को स्थानीय अभिलेखागारों और ढहे हुए स्मारकों से ये ताम्रपत्र प्राप्त हुए। अपनी ऐतिहासिक और धातुई महत्ता के कारण, इन प्लेटों को डच काल में ही फ्लोरेंटियस कैम्पर द्वारा नीदरलैंड्स ले जाया गया, जहाँ बाद में इन्हें एशियाटिक और प्राच्य विद्या के अध्ययन के केंद्र लीडेन यूनिवर्सिटी को सौंप दिया गया। सदियों तक ये प्लेटें यूरोपीय विद्वानों के लिए प्राचीन भारतीय इतिहास को समझने का माध्यम बनी रहीं, लेकिन भारतीय उपमहाद्वीप के लिए यह अपनी विरासत के एक बड़े हिस्से का वियोग था। साल 2012 के बाद से जब भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी सांस्कृतिक धरोहरों की वापसी के लिए आक्रामक और प्रभावी सॉफ्ट पावर कूटनीति का उपयोग शुरू किया, तब जाकर दोनों देशों के शीर्ष राजनेताओं और अकादमिक प्रमुखों के बीच इन ऐतिहासिक कड़ियों को वापस जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

आज जब ये ताम्रपत्र नीदरलैंड्स से भारत की धरती पर सुरक्षित वापस भेजे जा चुके हैं, तो इनका मूल्यांकन केवल एक धातु के टुकड़े या एक प्राचीन वस्तु के रूप में नहीं किया जा सकता। यह समसामयिक भारत के उस बढ़ते वैश्विक रसूख का प्रतीक है, जहाँ पश्चिमी सरकारें और वैश्विक यूनिवर्सिटीज अब औपनिवेशिक काल की अनैतिक लूट को अपने पास रखने के बजाय सम्मानपूर्वक उनके मूल देश को लौटाने में ही अपनी कूटनीतिक भलाई देख रही हैं। यूनेस्को के नियमों और दोनों देशों के प्रगाढ़ होते द्विपक्षीय संबंधों के तहत लीडेन प्लेट्स की यह सर्वोच्च स्तर पर हुई वापसी दुनिया भर के देशों के लिए एक मिसाल है कि इतिहास के अन्यायों को आज की कूटनीतिक सद्भावना से सुधारा जा सकता है।

इन चौबीस पट्टिकाओं का पुनरागमन हमारे अनुसंधान के बंद दरवाजों को दुबारा खोलता है। यह हमें चोल कालीन कानून, अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों, प्राचीन कर व्यवस्था और राजा राजेंद्र चोल की उस वैश्विक दृष्टि को नए सिरे से समझने का अवसर देता है जिसने भारत को विश्वगुरु के आसन पर बिठाया था। दोनों देशों के शासनाध्यक्षों और संस्थागत प्रमुखों के सामूहिक सहयोग से अपनी जड़ों की ओर लौटती यह विरासत आधुनिक भारत के नागरिकों में अपने गौरवशाली अतीत के प्रति न केवल एक नया आत्मविश्वास जगाती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश भी देती है कि जो राष्ट्र अपने इतिहास का संरक्षण करना जानता है, वही भविष्य के वैश्विक क्षितिज पर अपनी मजबूत पहचान बना पाता है।

जिले में मिले मलेरिया के दो और डेंगू के 5 मरीज

अच्छी बात कि जिले में हर साल कम हो रहा मलेरिया-डेंगू

एस द्विवेदी

बैतूल। जिले में मलेरिया के दो मरीज मिले है, वहीं 5 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। यह मरीज विगत चार माह यानि जनवरी से अप्रैल के बीच हुई जांच में सामने आये है। इससे लोगों को यह डर सता रहा है कि कहीं मलेरिया की फिर वापसी तो नहीं हो रही है। हालांकि मलेरिया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया-डेंगू की रोकथाम के लिए हर गांव, शहर में आशा कार्यकर्ता, एएनएम और एमपीडब्ल्यू द्वारा लावों का डोर-टू-डोर सर्वे किया जाता है। इसके साथ ही जांच भी की है। अभी तक 90564 जांच हुई, जिसमें से दो मरीज मलेरिया और 5 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। हालांकि बीते कुछ सालों में जिले से मलेरिया का लगभग खात्मा हो चुका है। कुछ साल पहले जहां जिले में थोक बंद मलेरिया के मरीज मिलते थे और कई लोगों की इस बीमारी से मौत तक हो जाती थी, वहीं अब मलेरिया जैसी बीमारी के मरीज मिलना ही लगभग बंद हो गए हैं। बमुश्किल साल भर में एक-दो मरीज ही मिल पाते हैं। जिला मलेरिया अधिकारी जितेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि विभाग द्वारा लगातार सर्वे किया जाता है। आशा व एएनएम भी घर-घर जाकर लोगों को मच्छरों से बचाव के उपाय बता रही हैं। गांवों में शिविर लगाए जाते है। स्कूलों और गांवों में लोगों को लार्वा न पनपे, इसके लिए क्या करें, इसकी जानकारी दी जाती है।

जिलेभर में 90 हजार से अधिक जांचे- मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के लिए मलेरिया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले भर के अलग-अलग ब्लाकों में 90564 जांच की गई। जिसमें से शाहपुर-घोड़ाडोंगरी ब्लाक में मलेरिया और आमला-घोड़ाडोंगरी ब्लाक सहित सेहरा क्षेत्र में डेंगू के मरीज मिले है। जिसके बाद विभाग द्वारा इन ब्लाकों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। घोडाड़ोंगरी में सबसे ज्यादा 17992 लोगों की जांच की गई। इसके अलावा आमला में डेंगू का मरीज मिलने पर आमला ब्लाक पर भी विशेष ध्यान देकर जांच की गई। यहां 10552 जांचे की गई। हालांकि आमला में मलेरिया का कोई भी मरीज नहीं मिला। केवल डेंगू के दो मरीज सामने आये थे। इसके साथ ही सेहरा में भी 14940 जांचे की गई।

● **अच्छी बात कि हर साल कम हो रहा डेंगू-मलेरिया** - जिले में वैसे मलेरिया और डेंगू को लेकर स्थिति काफी नियंत्रित है। अभी जनवरी से अप्रैल तक जांच में 2 मलेरिया और 5 डेंगू के मरीज मिले है, जबकि विगत वर्ष यानि 2025 में मलेरिया के 6 और डेंगू के 9 मरीज मिले थे, जबकि 2024 में मलेरिया के मरीजों की संख्या 5 और डेंगू के मरीजों की संख्या 59 थी। वर्ष 2022 एवं 2023 में मलेरिया के 4 और वर्ष 2021 में मलेरिया के 6 मरीज सामने आये थे। यह आंकड़े बताते है कि जिले में मलेरिया और डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। मलेरिया विभाग के अनुसार डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए जिलेभर में जन-जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ लोगों को समझाईश दी जाती है कि बारिश में घरों के आसपास पानी जमा न होने दे। विभाग का कहना है कि डेंगू और मलेरिया से सुरक्षा और सावधानी ही इससे बचाव का एकमात्र तरीका है।

इस अभी तक हुई मलेरिया जांच

ब्लाक	जांच
मुलताई	9493
पट्टन	7618
आमला	10522
भीमपुर	6910
चिचोली	5263
शाहपुर	5239
घोड़ाडोंगरी	17992
सेहरा	10800
आठनेर	5259
भैसदेही	7328
जि.अस्प.	4140
कुल	90564

इनका कहना है

मलेरिया-डेंगू की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिलेभर में कुल 90564 जांचे हुई, जिसमें से मलेरिया के दो और डेंगू के 5 मरीज मिले है। जिन ब्लाकों में मलेरिया-डेंगू के मरीज मिले है, वहां विशेष ध्यान और अधिक जांचे कराई गई है।

- जितेन्द्र सिंह राजपूत, जिला मलेरिया अधिकारी, बैतूल

सावधानी और जागरूकता ही बीमारियों से बचाव - डेंगू और मलेरिया से सुरक्षा और सावधानी ही इससे बचाव का एकमात्र तरीका है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मलेरिया का कारक मादा एनाफिलीज मच्छर एक व्यक्ति को काटने के बाद ही सुस्त हो जाता है। लेकिन डेंगू फैलाने वाला एडिज मच्छर एक बार में आठ से दस लोगों को काटता है। डेंगू वायरस जनित बीमारी होने के कारण इसका संक्रमण तेजी से फैलता है। इससे बचने के लिए सावधानी रखना और मच्छरों से बचाव ही एकमात्र तरीका है। डेंगू हो जाए तो इसकी जांच और इलाज सरकारी अस्पताल में निशुल्क उपलब्ध है। आशा कार्यकर्ता, एएनएम और एमपीडब्ल्यू द्वारा लावों का डोर-टू-डोर सर्वे किया जाता है। मच्छरदानी का उपयोग लोग कर रहे है या नहीं, इसका सर्वे भी किया जाता है। पोखरों और तालाबों में गंबूशिया मछली भी डाली जाती है। इस साल अगस्त महीने में इन्हें डाला जाएगा। इन्हीं सब कारणों से मलेरिया पर नियंत्रण पाया जा सका है।

शाहपुर-घोड़ाडोंगरी में मिला मलेरिया का एक-एक मरीज

इस साल एक जनवरी से 30 अप्रैल तक ही 2 मरीज मलेरिया के मिल चुके है। इनमें से एक मरीज शाहपुर ब्लाक और दूसरा मरीज घोडाडोंगरी ब्लाक का है। यह मरीज भी बाहर से आये थे। इसके अलावा अभी तक डेंगू के भी 5 मरीज मिल चुके है। आमला और घोड़ाडोंगरी ब्लाक में जहां 2-2 मरीज मिले है, वहीं एक मरीज सेहरा क्षेत्र में मिला है। विभागीय कर्मचारियों का मानना है कि पिछले साल में 74412 सैम्पल ही लिए गए थे। इसके विपरीत इस साल जनवरी से अप्रैल माह तक ही 90564 लोगों की जांच हो चुकी है। अभी पूरा साल होने को 8 महीने का समय बाकी है। यदि इसी रफ्तार में जांचे होते रही तो अभी मलेरिया के आंकड़ों में और इजाफा हो सकता है। हालांकि मलेरिया पर नियंत्रण पाने के लिए कई कदम उठाये गये है। डोर-टू-डोर सर्वे और लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ पोखर एवं तालाबों में गंबूशिया मछली भी डाली जाती है।

बास्केटबॉलर खिलाड़ियों को दिए टिप्स

● **जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन का मिलन कार्यक्रम, स्वल्पाहार किया वितरित**

बैतूल। शहर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में रविवार की सुबह बास्केटबॉल एवं फुटबॉल खिलाडियों के लिए विशेष स्वल्पाहार एवं मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष योगी राजीव खंडेलवाल एवं समाजसेवी मुकेश खंडेलवाल उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठजनों द्वारा खिलाड़ियों को नए नए टिप्स समझये गए, ततपश्चात कार्यक्रम के अंत मे खिलाड़ियों को स्वल्पाहार करवाया गया। इस आयोजन का संपूर्ण व्यय जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव एवं समाजसेवी मुकेश खंडेलवाल द्वारा वहन किया गया। खेल प्रतिभाओं के प्रति इस सहयोग एवं समर्पण की सभी खिलाडियों, प्रशिक्षकों एवं उपस्थित वरिष्ठजनों द्वारा मुक्त कंठ से सराहना की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बास्केटबॉल कोच कैप्टन दीपकदयाल पंवार, रविंद्र गोठी, डॉ. विनय सिंह चौहान, संजय बोरखड़े, अभिजीत सरसोदे, अजय भार्गव, राजेश वडियालकर सहित समस्त बास्केटबॉल के वरिष्ठजन व खिलाड़ी मौजूद रहे। बास्केटबॉल कोच दीपक दयाल पवार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करना तथा शहर में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। खिलाड़ियों द्वारा आयोजन के लिए जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

नपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती ताई बारस्कर को मातृ शोक, वयोवृद्ध श्रीमती कौशल्या वागद्रे का निधन

बैतूल। नगरपालिका बैतूल की अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती पार्वती ताई बारस्कर तथा लक्ष्मीनारायण, संतोष, कमला लोखंडे, राजा, कृष्णा वागद्रे (वागद्रे ट्रेडर्स) एवं उमेश वागद्रे की माताजी वयोवृद्ध 91 वर्षीय श्रीमती कौशल्या वागद्रे का रविवार सुबह 11 बजे सिटी अस्पताल में दुखद निधन हो गया। जिनकी शव यात्रा रविवार को सायं 4.00 बजे उनके निज निवास, बडा बजरंग मंदिर, इटारसी रोड, सदर, बैतूल से गंज मोक्षधाम के लिए निकाली गई तथा अंतिम संस्कार गंज मोक्ष धाम में किया गया जहां मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र लक्ष्मी नारायण वागद्रे ने दी। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, मित्रगण, परिचित सहित गणमान्य नागरिक शामिल हुए। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन सुमित सिंह को मातृ शोक, अन्त्येष्टि 26 मई को

बैतूल। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (नौसेना) सुमित सिंह (सेवानिवृत्त) एवं एनआरआई गुरप्रीत सिंह की माताजी श्रीमती तेजिंदर कौर का 82 वर्ष की आयु में

रविवार 24 मई की सुबह 3 बजे ग्रीन वैली कालोनी, गौठाना स्थित निवास पर दुःखद निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थी। श्रीमती तेजिंदर कौर अपने पीछे दोनों बेटों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गई। उनकी अंत्येष्टि 26 मई 2026 को प्रातः 10.30 बजे, उनके बड़े बेटे गुरप्रीत सिंह के अमेरिका से बैतूल आने के पश्चात की जावेगी। श्रीमती कौर के निधन का समाचार मिलते ही पूरे जिले के सैन्य परिवारों में एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय बैतूल में शोक व्याप्त हो गया। सभी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को इस दुःखद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने तथा दिवंगत आत्मा को ईश्वर द्वारा अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

जिला जनगणना अधिकारी वंदना जाट ने जनगणना जागरूकता के लिए एलईडी वैन को दिखाई हरी झंडी

बैतूल। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत आमजन में जागरूकता बढ़ाने एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बैतूल जिले में जनगणना कार्य निदेशालय से आई एलईडी जन जागरूकता वैन को अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी वंदना जाट ने हरी झंडी दिखाते हुए ग्रामीण एवं नगरीय चार्जों में रवाना किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी वंदना जाट, जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरेंद्र गौतम, जनगणना कार्य निदेशालय से जिला प्रभारी भरतलाल गौर, चार्ज अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका बैतूल नवनीत पांडे तथा जिला जनगणना कार्यालय की टीम की उपस्थिति में जागरूकता वाहन ग्रामीण एवं नगरीय चार्जों में जनगणना 2027 के प्रचार प्रसार के लिए भेजा गया। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरेंद्र गौतम ने बताया कि चलते-फिरते जनगणना सूचना केंद्र के रूप में तैयार की गई यह एलईडी वैन जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को जनगणना 2027 से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराएगी तथा उन्हें जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करेगी। एलईडी वैन के माध्यम से नागरिकों को जनगणना कार्य की गोपनीयता, सही एवं प्रमाणिक जानकारी के महत्व आवश्यक संदेश प्रसारित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि वे अपने क्षेत्र में पहुंचने वाली जनजागरूकता वैन को अवश्य देखें तथा जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी प्राप्त कर जागरूक नागरिक के रूप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

1 जून से होगी अग्निवीर भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा

बैतूल। भारतीय सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। भर्ती वर्ष 2026-27 के तहत अग्निवीर भर्ती रैली के लिए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम सीईई की तिथियों की घोषणा कर दी गई है।

सेना भर्ती कार्यालय भोपाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा 1 जून से 12 जून 2026 तक भोपाल के दो परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रतिदिन चार शिफ्टों में होगी। इस बार अग्निवीर क्लर्क एवं स्टोर कीपर टेक्निकल पद के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का टाइपिंग टेस्ट भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर ही लिया जाएगा। परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड 15 मई 2026 से जॉइन इंडियन आर्मी वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे, जहां से अभ्यर्थी उन्हें डाउनलोड कर सकेंगे। ऑनलाइन परीक्षा के लिए भोपाल में दो केंद्र निर्धारित किए गए हैं। पहला केंद्र आईओएन डिजिटल जोन आईडीजेड प्रेस्टीज श्री जयराम एजुकेशन सोसाइटी, कोकटा बाईपास, रायसेन रोड भोपाल तथा दूसरा केंद्र आईओएन डिजिटल जोन आईडीजेड आरजीपीएम, सांखेड़ी, डानिश कुंज, कोलार रोड भोपाल बनाया गया है। सेना भर्ती कार्यालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे एडमिट कार्ड पर दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें और निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें।

लविजा को सम्मानित किया गया

धार। कांग्रेस सेवादार के प्रदेश सचिव कमाल फारूकी की बिटिया लविजा फारूकी को 10वी बोर्ड में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष इफ्तिखार भाई गुड्डू जी एमजीएन स्कूल की ऑनर रजिया कुरैशी, खजराना पार्षद हाजी उस्मान पटेल, समाज सेवी सैयद वाहिद अली द्वारा लविजा फारूकी को सुल्तान अवार्ड से सम्मानित किया गया। लविजा को इस उपलब्धि पर सभी ने बधाई दी।

शोभायात्रा के साथ आज से शुरू होगा संगीतमय श्रीमद्भागवत गीता ज्ञान यज्ञ

● **विश्वकर्मा मंदिर से निकलेगी शोभायात्रा, 3 बजे से होगा कथा वाचन**

● **विश्वकर्मा समाज समिति ने की धर्मप्रेमियों से कथा श्रवण की अपील**

बैतूल। गंज स्थित विश्वकर्मा मंदिर में आज सोमवार से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत गीता ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। धार्मिक आयोजन को लेकर समाजजनों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह का वातावरण बना हुआ है। आयोजन समिति द्वारा शोभायात्रा एवं कथा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और गर्मी से बचाव के विशेष इंतजाम भी किए गए हैं। विश्वकर्मा समाज समिति जिला बैतूल द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत सुबह 10 बजे विश्वकर्मा मंदिर से भव्य शोभायात्रा के साथ होगी। शोभायात्रा हाउसिंग बोर्ड, गुप्ता मॉल, टांगा स्टैंड, शनि मंदिर, कांती शिवा चौक, माता मंदिर और मेकेनिक चौक होते हुए पुनः विश्वकर्मा मंदिर पहुंचेगी। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन 3 बजे से शाम 6 बजे तक आचार्य पंडित भागवताचार्य डॉ. पुष्कर परसाई के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत गीता कथा का रसपान कराया जाएगा। विश्वकर्मा समाज समिति ने समस्त धर्मप्रेमियों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं तथा प्रतिदिन कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त करें। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए गर्मी से राहत की समुचित व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा के पन्ना स्थित निवास पर उनसे सौजन्य भेंट कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की।

जगन्नाथ संस्कृति के विद्वान श्री मिश्र ने सुबह सवेरे की खबर लगाई स्टेट्स पर

सोहागपुर। जगन्नाथ संस्कृति के विशारद विद्वान पंडित डॉ. काशीनाथ मिश्र उड़ीसा ने सुबह सवेरे ए डेली न्यूज़ मेगजीन की 'समापन दिवस कथा' भारत में कहीं भी कल्कि भगवान् की पूजा नहीं होती है, जानते ही नहीं उड़ीसा जगन्नाथ संस्कृति कोः श्री मिश्र- खबर अपने स्टेट्स पर लगाई है। उल्लेखनीय है कि भोपाल गर्ल्स स्कूल पंचवटी परिसर भोपाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं भविष्य मालिका पुराण की सप्त दिवसीय कथा की खबरों को पत्रकार हीरालाल गोलानी ने कवरेज किया था। जिसमें आज की प्रकाशित खबर को डा. कांशीराम मिश्र ने स्टेट्स पर लगाई है। आपने सुबह सवेरे ए डेली न्यूज़ मेगजीन सम्पादक आदि का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि प्रख्यात विद्वान पंडित डॉ. काशीनाथ मिश्र जी के देश-विदेश में डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं जमीनी स्तर (कथाओं) को मिलाकर लाखों की संख्या में फॉलोअर्स और अनुयायी हैं। मुख्य रूप से 'भविष्य मालिका पुराण' एवं भगवान श्री जगन्नाथ संस्कृति के गूढ़ रहस्यों के प्रचार-प्रसार करते हैं। जिसमें आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करते हुए त्रिकाल संध्या एवं श्रीमद्भागवत पुराण पढ़ने का संदेश श्रद्धालुओं को देते हैं। जिससे मानव जीवन बच सकें।वहीं श्री मिश्र के हजारों अनुयायियों ने भी उक्त खबर को अपने स्टेट्स पर लगाया है।

ग्राम माछा में किसानों से धान खरीदी के करीबन 30 लाख रूपये लेकर आरोपी फरार

सोहागपुर। सोहागपुर के समीपवर्ती ग्राम माता में किसानों से धान खरीदी के करीबन 30 लाख 87 हजार का भुगतान नहीं करके किसानों को चपत लगाकर आरोपी फरार हो गया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम माछा नरेशसिंह लोधी पिता स्वं सुंदरलाल लोधी उम्र 52 वर्ष एवं अन्य किसानो ने आरोप लगाया है कि ओमप्रकाश सोनी पिता लक्ष्मीनारायण सोनी निवासी गणेश मंदिर के सामने बरेली जिला रायसेन के विरुध्द लिखित आवेदन के माध्यम से शिकायत कि गई कि। आरोपी ओमप्रकाश सोनी सोना चांदी व धान खरीदने का व्यवसाय करता है अनावेदक व्दारा दिनांक 15 से 25 दिसंबर 2025 तक ग्राम माछा के किसानो से 3 तीन हजार 7 सौ रुपये प्रति क्विंटल के भाव से धान खरीदी की गई। लेकिन आरोपी ओमप्रकाश सोनी धान खरीदी के पैसे दिए बिना ही भाग गया। इस मामले में पुलिस ने शिकायत की जाँच में ग्राम माछा के पीडित किसानों के कथन पंजीबद्ध किए हैं। जिसमें ओमप्रकाश सोनी ने दिनांक 08 से 25 दिसंबर 2025 तक ग्राम माछा के किसानो से छलपुर्वक धान खरीदकर धान खरीदी के पैसे देने मे आनाकानी करने लगा था। तब किसानों ने बार बार तकादा करने पर कुछ किसानों को बैंक आफ बडौदा के चैक दिए थे। तथा कुछ दिनों में पैसे देने का बोलकर रुपए दिए बिना ही किसानों के साथ धोखाधडी करके घर से भाग गया है। किसानों से तौल पर्चिया एवं चैक जप्त किये गए है। संपूर्ण जाँच करके पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश सोनी विरुद्ध आवेदकों ग्राम माछा के किसानों से छल करने की नियत से धान खरीदकर धान खरीदी के 30, लाख 87 हजार, 290 रुपये दिए बिना धोखाधड़ी करके घर से भाग जाना पाया गया है। इसी आधार पर पुलिस ने धारा 318(4) बी.एन.एस.का घटित करना पाया गया है। अभियुक्त ओमप्रकाश सोनी पिता लक्ष्मीनारायण सोनी निवासी गणेश मंदिर के सामने बरेली ने सभी किसानो के साथ छल कपट एवं धोखाधडी की गईहै। जिसमें सभी किसानो से 3700/- रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर ग्राम माछा स्थित माँ नर्मदा वेयरहाउस से वजन कराकर धान को बरेली ले गया था। तथा ओमप्रकाश सोनी ने कुछ किसानो को आंशिक/अग्रिम भुगतान दी गई। तथा शेष राशि 10 दिवस मे भुगतान करने का करने का आश्वासन दिया गया था। किंतु आज दिनांक तक संपूर्ण बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। अब फरार व्यापारी फोन उठा रहा है। उसने मोबाइल बंद कर लिया है। इसके साथ ही घर पर ताला लगाकर भाग गया है। ओमप्रकाश सोनी ने ग्राम माछा के किसानों से छलपूर्वक व धोखाधड़ी करके धान ख़रीदकर, धान खरीदी के रुपये न देकर फरार हो गया है। पीड़ित किसानो का विवरण निम्न प्रकार है ङ्क नर्मदाप्रसाद लोधी, जितेन्द्र लोधी, नरेश सिंह लोधी- , बसंत वर्मा, मोहन कतिया, विशाल वर्मा बलराम वर्मा, केशव पिता रामसेवक वर्मा रोहित उर्फ राहुल लोधी, विष्णु पिता कमल भूरा सेठ, केशव पिता लक्ष्मीप्रसाद वर्मा, केशव पिता रामजी वर्मा वेयर हाउस, बालकिशन वर्मा आदि हैं। इस मामले। में नगर निरीक्षक राहुल रायकवार थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी शोभापुर प्रकरण की विवेचना कर रहे हैं।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित

वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, दिया ईंधन बचाने का संदेश

▸▸ जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सीईओ ने की विभागीय प्रगति की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र मेवाड़ा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव द्वारा जनजातीय कार्य विभाग, जिला पंजीयक एवं सहकारी संस्थाएं, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल निगम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने के आवाहन पर जिले के सभी जनपदों के जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

इस प्रकार सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नागरिकों को ईंधन की बचत करने का संदेश दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागीय योजनाओं की जानकारी और आंकड़े जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए जाएं। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आंगनबाड़ियों की व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने और नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय स्कूलों में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी नागरिकों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े।

उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय छात्रावासों का समय समय पर निरीक्षण किया जाए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में प्रदान किया गया। अनुसूचित जाति वर्ग के 3221 तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के 2529 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला, वहीं आवास सहायता योजनाओं से भी हजारों हितग्राही लाभान्वित हुए। वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति बस्ती विकास योजना के तहत 23 कार्य एवं अनुसूचित जनजाति बस्ती विकास योजना के तहत 10 कार्य किए गए। सहकारिता विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में रबी वर्ष 2025-26 में अल्पकालीन फसल ऋण वितरण लक्ष्य के विरुद्ध 103.81 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। किसानों को 557.51 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। इसके साथ ही जिले की सभी 108 पैक्स समितियों में ईआरपी लॉगिन एवं गो-लाईव की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, जिससे सहकारी कार्यों में पारदर्शिता और गति आई है।

योजनाओं को शीघ्र ही पूर्ण करने का लक्ष्य

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में स्वीकृत 332 एकल नलजल योजनाओं में से 317 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष 15 योजनाओं को शीघ्र ही पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में जल जीवन मिशन के तहत 1024 ग्रामों में पेयजल योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिनमें बड़ी संख्या में ग्रामों में योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्थाओं की समीक्षा में बताया गया कि जिले में प्राप्त 433 शिकायतों में से 412 का निराकरण कर दिया गया है। इसके अलावा 259 हैंडपंपों में राइजर पाइप बढ़ाकर उन्हें चालू किया गया तथा 43 हैंडपंपों में मोटर पंप स्थापित किए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के 1539 शासकीय स्कूलों एवं 829 आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना की प्रगति की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत जिले में 1403 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

कंट्रोल रूम में 531 पेयजल संबंधी शिकायतों का किया गया निराकरण

पीएचई विभाग द्वारा की जा रही है ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण जल स्तर नीचे हो रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग द्वारा ग्रामवासियों को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए स्थापित कंट्रोल रूम में अभी तक कुल 584 शिकायते प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 531 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। सीहोर जिले में 1017 ग्रामों में से 499 ग्रामों में नलजल योजना के माध्यम से तथा शेष ग्रामों में 7748 हैण्डपम्पों एवं निजी स्त्रोतों द्वारा जल आपूर्ति की जा रही है। अभी तक 259 हैण्डपम्पों में 930 मीटर राइजर पाइप बढाकर हैण्डपम्प चालू किये गये है तथा 43 हैण्डपम्पों में सिंगलफेस मोटर पम्प स्थापित कर पेयजल व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा 20 नलकूपों की सफाई का कार्य भी कराया गया है। विभाग द्वारा 332 एकल नलजल प्रदाय योजनाये स्वीकृत हुई है, जिनमें से 317 योजनाये पूर्ण हो चुकी है तथा 15 योजनाओं में कार्य प्रगतिरत है, जो 01 माह में पूर्ण हो जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

अवैध उत्खनन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कठोर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अवैध खनन में संलग्न लोगों एवं वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध उत्खनन, खनिजों के अवैध परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देशानुसार राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए ग्राम पथाडा, तहसील सिवनी मालवा क्षेत्र में अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए एक पनडुब्बी एवं एक मोटरबोट को जब्त किया गया। जब्त किए गए दोनों वाहनों को पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रशासन द्वारा संबंधित प्रकरण दर्ज कर आगामी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा अवैध उत्खनन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इटारसी में राजस्व एवं पुलिस विभाग ने की पटाखा दुकानों की जांच

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तहसील इटारसी क्षेत्र में संचालित समस्त पटाखा दुकानों एवं पटाखा संग्रहण स्थलों की जांच हेतु राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान बस स्टैंड के समीप गुरुद्वारा परिसर स्थित एक पटाखा दुकान का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान दुकान में पटाखा एवं बारूद संबंधी सामग्री रखी हुई पाई गई। मौके पर दुकानदार अनुपस्थित मिला तथा दुकान का संचालन लगभग 17 वर्षीय नाबालिग बालक द्वारा किया जाना पाया गया। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि दुकान में रखा अग्निशामक यंत्र बंद अवस्था में था तथा उसकी वैधता अवधि समाप्त हो चुकी थी, जो सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी है। संयुक्त टीम द्वारा सुरक्षा नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पटाखा दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर बंद कराया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), एसडीओपी पुलिस, तहसीलदार एवं संबंधित पटवारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के निदेशक द्वारा वीसी के माध्यम से की गई समीक्षा

रायसेन (निप्र)। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन डायरेक्टर द्वारा शुक्रवार को वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से जल जीवन मिशन 2.0 एवं स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत विभिन्न कार्यों एवं प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री गिरीश काम्बले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस में जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाओं के क्रियान्वयन, लक्ष्य पूर्ति, गुणवत्ता नियंत्रण, वित्तीय प्रगति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने एवं निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

44 डिग्री तापमान में भी ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने में जुटी हैंडपम्प संधारण टीम

रायसेन (निप्र)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायसेन की हैंडपम्प संधारण टीम ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार कार्य कर रही है। लगभग 44 डिग्री तापमान में भी विभाग द्वारा गठित टीम गांव-गांव पहुंचकर खराब पड़े हैंडपम्पों का सुधार कार्य कर रही है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री गिरीश काम्बले ने बताया कि संधारण दल द्वारा खराब हैंडपंपों की मरम्मत, पाइप बदलने, लीकेज सुधारने एवं तकनीकी खराबियों को दूर करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। टीम का उद्देश्य गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट उत्पन्न न होने देना है। ग्रामीणों ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तेज गर्मी के बावजूद कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं। इससे गांवों में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनी हुई है और लोगों को राहत मिल रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री काम्बले ने बताया कि जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है तथा जहां से भी हैंडपंप खराब होने की सूचना प्राप्त होती है, वहां तत्काल संधारण टीम भेजकर सुधार कार्य कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा संवेदनशील गांवों की सूची तैयार कर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जिन क्षेत्रों में जलस्तर नीचे चला गया है वहां ग्रामीणों से पानी का सीमित एवं आवश्यक उपयोग करने की अपील की गई है। विभाग का कहना है कि ग्रीष्म ऋतु समाप्त होने तक हैंडपम्प संधारण अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनी रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में NCORD की बैठक आयोजित

नशा मुक्ति के लिए कड़ी निगरानी और प्रभावी कार्रवाई की जाए

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर समिति (हृष्टह्रक्रष्ठ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने नशा उन्मूलन एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण को लेकर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को नशे की प्रवृत्ति से बचाना प्रशासन का उद्देश्य है। इसके लिए तस्करों और अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ समाज में जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूल-कॉलेजों में नशा उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि जिले में संवेदनशील स्थानों पर सतत् निगरानी रखी जाए। उन्हांने डीएफओ को जिले में अफीम, भांग आदि मादक फसलों की अवैध खेती पर कड़ी निगरानी रखने तथा ऐसी गतिविधियों को तुरंत चिन्हित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिला आबकारी अधिकारी को मादक पदार्थों का पता लगाने और कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने नशे के रूप दवाओं के उपयोग को रोकने के लिये मेडिकल स्टोर्स से बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं का विक्रय नहीं करने और समय समय पर मेडिकल स्टोर्स की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी तथा सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक को स्कूलों और कॉलेजों में नशीली दवाओं के उपयोग के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने और जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को नशा पीड़ितों के उपचार और परामर्श सेवाओं को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि प्रशासन, पुलिस और समाज के संयुक्त प्रयास से ही नशामुक्त जिला बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। बैठक में सभी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल सहित पुलिस, वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्राकृतिक खेती सफलता की नयी दिशा

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के विकासखंड गंज बासौदा के ग्राम सुमेर दांगी निवासी सुमित्रा बाई ने अपनी जमीन पर प्राकृतिक तरीके से खेती शुरू की। उन्होंने जीवामृत, बीजामृत जैसी प्राकृतिक दवाओं का उपयोग करके अपनी फसलों की गुणवत्ता में सुधार किया साथ ही उनकी लागत काफी कम हुई। श्रीमती सुमित्रा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समुंह में सचिव के पद पर कार्यरत हैं तथा कृषि विभाग, आत्मा परियोजना के माध्यम से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत कृषि सखी के रूप में भी चयनित हैं।

उन्होंने अपने खेत में मूंग, गेहुं सहित विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों जैसे लौकी, टमाटर आदि प्राकृतिक विधि से उत्पादन कर रही हैं। उनके पास पर्याप्त सिंचाई साधन के रूप मे एक कुआं व बोर उपलब्ध है। श्रीमती सुमित्रा के पास 3 गाय हैं जिनसे प्राप्त गोबर का उपयोग बह जैविक दवा बनाने एवं गोबर की खाद बनाने में करती है। वह स्वयं तो प्राकृतिक तरीके से खेती कर ही रहीं है साथ ही अन्य किसानो को भी प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहीं हैं। उन्होंने जीवामृत और बीजामृत जैसी प्राकृतिक दवाओं का उपयोग करके अपनी फसलों को स्वस्थ और मजबूत बनाया। उन्होंने घर पर ही इन दवाओं का निर्माण शुरू किया, जिससे उन्हें लागत भी काफी कम हुई।

किसानों के लिए एक प्रेरणा श्रोत

श्रीमती सुमित्रा की कहानी से पता चलता है कि प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि इससे किसानों को भी आर्थिक लाभ हो सकता है। की कहानी से प्रेरणा लेकर अन्य किसान भी प्राकृतिक दवायें घर पर तैयार करके अपनी लागत कम कर सकते हैं और फसलों की गुणवत्ता बड़ा सकते हैं। इनकी कहानी प्रेरणादायक है और अन्य किसानों के लिए एक उदाहरण के रूप में काम कर सकती है। उनकी मेहनत , समर्पण, और प्राकृतिक खेती के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें सफलता दिलाई है।

3.5 करोड़ की शासकीय भूमि कराई गई मुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशों के पालन में प्राप्त शिकायत के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा नगर नर्मदापुरम के भीलपुरा क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नजूल भूमि, नजूल शीट क्रमांक-09, प्लॉट क्रमांक-1, रकबा 59493 वर्गफुट शासकीय भूमि पर सचिन रैकवार पिता पूरनलाल रैकवार निवासी वार्ड क्रमांक-26 रेवागंज द्वारा ईंट भट्टा संचालित कर लगभग 30,000 वर्गफुट भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। नायब तहसीलदार नर्मदापुरम नगर, नायब तहसीलदार नजूल एवं राजस्व निरीक्षक की उपस्थिति में उक्त अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। राजस्व विभाग के अनुसार उक्त कार्रवाई में लगभग 3.5 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बोले

समय पर हों आमजन के काम, न लगाना पड़े दफ्तरों चक्कर

- ▸▸ नागरिकों से करें शिष्टतापूर्ण व्यवहार, सुशासन की भावना को करें मजबूत - कलेक्टर
- ▸▸ कलेक्टर ने बुधनी एवं शाहगंज तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण
- ▸▸ जनगणना, स्वच्छता सर्वेक्षण एवं राजस्व संबंधी कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बुधनी एवं शाहगंज तहसील कार्यालयों का निरीक्षण कर प्रशासनिक एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनगणना 2027 के प्रथम चरण के कार्य की प्रगति, स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना प्रशासन का दायित्व है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालयों में अभिलेखों के संधारण, रिकॉर्ड व्यवस्था, नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं तथा कार्यालयीन कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएं तथा आमजन को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करें।

राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा : कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, ऋण पुस्तिका सुधार, नक्शा संशोधन, अतिक्रमण संबंधी प्रकरणों तथा अन्य लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व मामलों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए और लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका शीघ्र समाधान किया जाए।

रेलवे एवं नेशनल हाईवे परियोजनाओं के कार्य में तेजी लाने के निर्देश

नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के लिए चल रही भू-अर्जन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों का त्वरित निराकरण किया जाए और प्रभावित किसानों एवं हितग्राहियों से समन्वय बनाकर प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क एवं रेलवे परियोजनाएं क्षेत्र के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा इनके पूर्ण होने से नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधाएं, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए इन परियोजनाओं में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कार्यालय परिसरों में साफ-सफाई, रिकॉर्ड रूम की व्यवस्था, पेयजल एवं नागरिक सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया।

नौतपा का काउंटडाउन शुरू

आसमान से बरसेगी आग, आईएमडी का बड़ा अलर्ट ; भूलकर भी न करें ये गलतियां, पड़ेंगी भारी !

एमपी के 37 जिलों में लू का अलर्ट, खजुराहो-नौगांव सबसे गर्म

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में आसमान से आग बरस रही है। पारा उबल रहा है और पूरा प्रदेश भट्टी सा तप रहा है। हालत यह है कि एसी और कूलर भी राहत नहीं दे पा रहे। दिन तो ठीक रात में भी गर्म हवाओं से लोग बेहाल हैं। रविवार को बुंदेलखंड का नौगांव 45.5 डिग्री के साथ सबसे अधिक तापमान वाला इलाका रहा। वहीं दमोह, जबलपुर, नरसिंहर, दतिया, खजुराहो, विदिशा प्रदेश के सबसे गर्म शहरों में शुमार थे। आईएमडी के अनुसार आगामी 27 मई तक प्रदेश में गर्मी और लू से राहत के आसार कम ही हैं।

मध्य प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। यहां के ज्यादातर शहरों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। शनिवार को छतरपुर जिले के नौगांव और खजुराहो सबसे गर्म रहे। नौगांव में अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री और खजुराहो में 45.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले चार दिन तक प्रदेशवासियों को तेज गर्मी और हीटवेव से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग भोपाल ने टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में तीव्र लू (सीवियर हीटवेव) का रेड अलर्ट जारी किया है।

इसके अलावा 11 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 22 जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। इस तरह प्रदेश के कुल 37 जिलों में हीटवेव का खतरा बना हुआ है।

आज एमपी के इन शहरों में रेड और ऑरेंज अलर्ट- आईएमडी ने मध्य प्रदेश के सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भीषण गर्मी और तेज लू का रेड अलर्ट जारी किया है। इसी प्रकार राजगढ़, आगर, दतिया, भिंड, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, मंडला, बालाघाट, दमोह, सागर, मैहर में ऑरेंज अलर्ट अलर्ट दिया गया है।

राजधानी सहित 22 जिलों में यलो अलर्ट- इसी प्रकार प्रदेश के भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, मंदसौर नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुरकलां, अनूपपुर, शहडोल, डिंडौरी में लू का यलो अलर्ट दिया गया है।

27 मई तक खतरनाक लू चलेगी

मौसम विभाग द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार आगामी तीन दिन प्रदेश पर लू का खतरनाक असर रहेगा। 27 मई तक लू अपने चरम पर रहेगी। इसमे कई इलाकों में पारा और उछल सकता है। वैसे मई के महीने में शुरूआत से ही एमपी में राजस्थान और विदर्भ की तरफ से आने वाली गर्म हवाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त बनाा है।

गर्मी से अभी राहत नहीं, असर जारी रहेगा

रिटायर्ड मौसम विज्ञानी डॉ. शैलेंद्र नायक के अनुसार मानसून की प्रगति के बावजूद उत्तर भारत और मध्य भारत में गर्मी का असर अभी जारी है। मध्यप्रदेश के कई शहरों में तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून पूरी तरह सक्रिय होने तक गर्मी और उमस दोनों लोगों को परेशान कर सकती हैं।

मध्यप्रदेश में कब पहुंचेगा मानसून ?

डॉ. शैलेंद्र नायक रिटायर्ड मौसम विज्ञानी, भोपाल के अनुसार मानसून जून के दूसरे सप्ताह तक मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में पहुंच सकता है। इसके बाद भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में धीरे-धीरे मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी। हालांकि मानसून की वास्तविक गति समुद्री परिस्थितियों और आगामी मौसम प्रणालियों पर निर्भर करेगी।

इन इलाकों में प्री-मानसून की गतिविधियां शुरू

फिलहाल प्रदेश में प्री-मानसूनी गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी जिलों में आंधी, बादल और हल्की बारिश की संभावना बन रही है, जबकि पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में अभी भी भीषण गर्मी बनी हुई है।

पत्नी की हत्या कर, खुद जहर खाया मासूम बेटी शवों के पास रोती रही

चरित्र शंका और प्रेम प्रसंग बना खूनी वारदात की वजह

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र स्थित मेघदूत नगर में रविवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक युवक ने पत्नी की हत्या करने के बाद खुद भी जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा तब हुआ, जब बंद कमरे के भीतर से उनकी मासूम बेटी के रोने की आवाज लगातार सुनाई दी।

पड़ोसियों ने अनहोनी की आशंका पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो कमरे में महिला का लहूलुहान शव पड़ा था, जबकि पास ही उसका पति भी मृत अवस्था में मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। हीरानगर थाना प्रभारी सुशील पटेल के मुताबिक मृतक की पहचान हल्के वीर पटेल उर्फ हल्के सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से होशंगाबाद का रहने वाला था और परिवार के साथ किराए के मकान में रह रहा था। हल्के सिंह पीथमपुर की एक पेस्टीसाइड कंपनी में नौकरी करता था।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि पत्नी के कथित प्रेम प्रसंग को लेकर दंपत्ति के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पत्नी की पीथमपुर निवासी सुनील साहू से नजदीकियों को लेकर हल्के सिंह मानसिक तनाव में था। शनिवार को वह रिश्तेदार के साथ पीथमपुर जाकर युवक को समझाकर लौटा था, लेकिन रात में फिर विवाद बढ़ गया। आशंका है कि गुस्से और अवसाद में उसने पहले पत्नी की हत्या की और बाद में कंपनी से लाया गया जहरीला पदार्थ पी लिया। पुलिस ने दोनों मोबाइल जब्त कर एफएसएल जांच शुरू कर दी है।

भीड़ का पुलिस पर हमला, थाने में तोड़फोड़

श्योपुर में किसान की हत्या पर भड़के, हाईवे जाम, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

श्योपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश के श्योपुर में जमीन विवाद को लेकर हुई अंधाधुंध फायरिंग में एक आदिवासी किसान की हत्या कर दी गई। इसके बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। किसान की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने कराहल थाने का घेराव कर दिया, पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की और श्योपुर-शिवपुरी हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को काबू करना पड़ा। घटना की गंभीरता को देखते हुए आधा दर्जन से अधिक थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है। विधायक मुकेश मल्होत्रा, प्रशासनिक अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। फिलहाल क्षेत्र में तनाव बना हुआ है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

स्कॉर्पियो से खेत पर पहुंचे करीब 12 हमलावर

जानकारी के अनुसार, राजस्व विभाग ने हाल ही में विवादित जमीन का सीमांकन किया था, लेकिन कब्जे को लेकर विवाद बना हुआ था। शनिवार शाम गंगाराम आदिवासी अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो से पहुंचे 10-12 हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया।

भोपाल के इनायतपुर में बड़ी बिजली चोरी पकड़ी

परमिशन सिर्फ 4 किलोवॉट थी, पर उपयोग हो रहा था 50 से ज्यादा का

भोपाल (नप्र)। भोपाल के इनायतपुर में बिजली कंपनी ने बड़ी बिजली चोरी पकड़ी है। एक घर में परमिशन सिर्फ 4 किलोवॉट थी, लेकिन जब अफसरों की टीम यहां पहुंची तो उनकी आंखें खुली रह गईं। यहां पर 50 किलोवॉट से ज्यादा बिजली का उपयोग हो रहा था।

बिजली कंपनी ने दो आलीशान हवेलियों में यह कार्रवाई की। यहां घरेलू कनेक्शन की आड़ में मिनी-कॉमर्शियल स्तर का भारी लोड चोरी की बिजली से चलाया जा रहा था। बिजली कंपनी की विजिलेंस टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि मीटर के इनकमिंग साइड में फ्लेक्सिबल कॉपर वायर जोड़कर सीधे सप्लाई लेने और दीवारों के भीतर सर्विस केबल से गुप्त टैपिंग कर बिजली चोरी की जा रही थी।

इन दो जगहों पर कार्रवाई- इनायतपुर में इकबाल खान की हवेली में स्वीकृत भार 4 किलोवॉट है, लेकिन यहां 51.17 किलोवॉट लोड मिला। यहां 6 एसी, 41 पंखे, 58 एलईडी, 8 फ्रीजर-कूलिंग उपकरण सहित कई हाई-पावर मशीनें संचालित थीं। इस पर 7.52 लाख रुपए की बिलिंग की गई।

वहीं, गुफरान खान के परिसर में 4.5 किलोवॉट की अनुमति के विरुद्ध 65.63 किलोवॉट लोड पाया गया। यहां दीवार के अंदर छिपी सर्विस केबल में टैपिंग कर बिजली चोरी की जा रही थी। 8 एसी, ई-व्हीकल चार्जर, डीप फ्रीजर, वॉटर हीटर और माइक्रोवेव संचालित मिले। इस मामले में 8.94 लाख रुपए का आंकलन किया गया।

घरेलू कनेक्शन का उपयोग ही होता है- एक्सपर्ट की माने तो सामान्य 4 से 5 किलोवॉट के घरेलू कनेक्शन पर सीमित घरेलू उपकरण ही आराम से संचालित हो सकते हैं, लेकिन 50 से 65 किलोवॉट तक का लोड छोटे होटल, मिनी इंडस्ट्री या बड़े कॉमर्शियल प्रतिष्ठान के बराबर माना जाता है। इतनी बड़ी मात्रा में अवैध लोड चलने से ट्रांसफॉर्मर पर दबाव बढ़ता है।

केबल जब्त कर पंचनामा बनाया, 19 प्रकरण दर्ज- अन्य कार्रवाई में मशरूर खान के नाम वाले परिसर में टीम पहुंची तो घर में ताला लगाकर लोग गायब हो गए। विजिलेंस अमला पड़ोसी के मकान की छत पर चढ़ा और वहां से संदिग्ध केबल तक पहुंचकर लाइन काटी। अधिकारियों ने केबल जब्त कर पंचनामा बनाया।

बाघ ने 3 पर किया हमला, महिला को मार डाला

उमरिया में गुस्साए ग्रामीणों ने अधिकारी का सिर फोड़ा, ट्रेंकुलाइज के बाद टाइगर की मौत

उमरिया(नप्र)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में शनिवार देर रात आंगन में सो रही महिला पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बाघ ने दो अन्य ग्रामीणों पर भी अटैक कर दिया। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, पनपथा बफर परिक्षेत्र के खेरबा टोला निवासी 48 वर्षीय फूलबाई की मौत हुई है। घायलों में दसैय्या और फुल्ला शामिल हैं। हमले के बाद बाघ घर के पास बैठा रहा और दहाड़ता रहा, जिससे दहशत फैल गई। वहीं टाइगर रिजर्व में आक्रोशित ग्रामीणों और वन विभाग की टीम से झड़प हो गई। ग्रामीणों ने टाइगर रिजर्व की टीम पर हमला कर दिया। सरकारी गाड़ी भी तोड़ दी। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। टाइगर के रेस्क्यू की तैयारी भी की जा रही है।

ट्रेंकुलाइज के बाद टाइगर की मौत- वहीं वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टाइगर को ट्रेंकुलाइज किया, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। हालांकि, कुछ देर बाद टाइगर की मौत हो गई। ट्रेंकुलाइज के दौरान दवा की ओवरडोज की वजह से जान जाने की आशंका है। वन विभाग मामले की जांच में जुटा है।

सीएम ने की 25 लाख रुपए की मुआवजे की घोषणा- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बाघ के हमले में एक महिला की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मृतक के परिजनों के लिए 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। इसके अलावा घायलों के मुफ्त इलाज और मुआवजा दिए जाने के निर्देश भी जारी किए हैं।

ग्रामीणों ने परिक्षेत्र अधिकारी का सिर फोड़ा- बाघ हमले के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान परिक्षेत्र अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव के सिर में चोट आई, जबकि पतौर रेंजर अंजू वर्मा के साथ भी मारपीट की गई। घायलों को मानपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले में वनरक्षक और डिप्टी रेंजर भी ग्रामीणों के निशाने पर आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। वन विभाग की टीम ग्रामीणों को शांत कराने में जुटी हुई है।

घर के अंदर घुसकर बैठ गया था बाघ- वन विभाग के अनुसार बाघ घर के अंदर घुसकर बैठ गया था। ग्रामीणों की भीड़ और शोर के बावजूद बाघ वहां से नहीं भाग रहा था। इससे ग्रामीणों में दहशत और बढ़ गई थी। इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर पकड़ा गया।

अधिकारियों के अनुसार यह क्षेत्र जंगल से सटा है, इसलिए सतर्कता जरूरी है। स्थानीय लोगों के अनुसार बाघ हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे भय गहरा गया है। प्रशासन नजर रखे हुए है। रेस्क्यू जारी है। बाघ की गतिविधियों पर निगरानी जारी है। इलाके में अलर्ट है।

मई महीने में बाघ के हमले से तीसरी मौत- 3 मई को पनपथा कोर क्षेत्र में कुदरी निवासी रज्जू कोल (46) की टाइगर हमले में मौत हो गई थी। वह महुआ और लकड़ी बीनने गया था। 10 मई को धमोखर बफर क्षेत्र में तेंदूपत्ता तोड़ने गई गोरईया निवासी युवती मीरा सिंह (26) पर भालू ने हमला किया, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई। 11 मई को मानपुर बफर क्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रह के दौरान निरसिया बैगा पर बाघ ने हमला किया, जिसमें दाहिने हाथ और हथेली में चोट लगी।

12 मई को मानपुर बफर क्षेत्र में धर्मेंद्र पर बाघ ने हमला किया, जिसमें उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। 16 मई को पनपथा कोर के कुदरी में तेंदूपत्ता तोड़ते समय एक महिला पर बाघ ने हमला कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने बाघ के हमले से महिला की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया, 25 लाख मुआवजा के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत ग्राम खेरवा टोला, जिला उमरिया में बाघ के हमले में एक महिला की मृत्यु और कुछ नागरिकों के घायल होने पर दुख व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि फुलबाई पति पहलू पाल की दुखद हादसे में मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवेदनाएं व्यक्त करते हुए हमले में मृतक के परिजन को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। घायलों के निःशुल्क उपचार और आवश्यक मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में बाबा महाकाल से दिवंगत की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सांसद को शाह की खरी-खरी

कहते हैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों अपनी बस्तर यात्रा के दौरान भाजपा के एक सांसद को खरी-खरी सुना दी। हुआ यूँ कि मेल-मुलाक़ात के दौरान एक भाजपा सांसद ने अमित शाह से कहा कि उनकी कोई नहीं सुनता। शाह ने सांसद से पूछा कौन नहीं सुनता, तो सांसद ने जवाब दिया गुरूजी लोग नहीं सुनते। फिर शाह ने कहा-एकाध नाम बताएं और उन्हें लेकर आएं। सांसद ने कहा-अभी तो कोई नहीं मिलेगा। शाह ने कहा-जो गुरूजी, आपकी नहीं सुनता, उसको ढूढ़ना और अगली बार मुझसे मिलवाना। आपकी जगह उसे सांसद बनाऊंगा। वही सभी गुरूजी को ठीक करेगा। शाह का जवाब सुनकर सांसद जी पानी-पानी हो गए और उनकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई।

बस्तर में श्वेत क्रांति का जिम्मा केदार को

बस्तर के आदिवासियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए सरकार उन्हें गाय बांटेगी। कहते हैं केंद्र सरकार श्वेत क्रांति के जरिए बस्तर को बदलना चाहती है। खबर है कि बस्तर में श्वेत क्रांति की जिम्मेदारी केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्य के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप को सौंपी है। कहा जा रहा है कि अमित शाह ने केदार कश्यप को कह दिया कि बस्तर में गुजरात के अमूल जैसा प्लांट बस्तर में भी चाहिए। ऐसा ही कुछ अमित शाह कवर्धा में भी चाहते हैं। बताते हैं कि मंत्री केदार कश्यप और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा गुजरात जाकर अमूल का प्लांट देख आए हैं और सिस्टम भी समझ आए हैं। सुनने में आ रहा है कि बस्तर और कवर्धा में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार हर संभव मदद को तैयार है। अब देखते हैं नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर श्वेत क्रांति में कैसे आगे बढ़ता है।

भाजपा नेत्री हुई मायूस

कहते हैं बस्तर भाजपा की एक नेत्री केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ फोटो खिंचवाना चाहती थी। पहले तो शाह साहब नेत्री को शालीनता से टालते रहे,पर नेत्री जिद पर ही अड़ गई तो दो टूक कह दिया -मैं जो काम करने आया हूँ, उसे करने दें। फोटो-वोटो बहुत हो गया। अमित शाह के सख्त तेवर देखकर नेत्री फिर उनके आसपास नजर नहीं आई। भाजपा नेत्री विधानसभा चुनाव लड़ चुकी हैं और कई सालों से पार्टी की राजनीति कर रही है। इस कारण अमित शाह के पास उन्हें जाने का मौका मिल गया।

बिना एसपी का जिला

आईपीएस आंजनेय वार्ष्णेय के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के बाद सरकार ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अब तक किसी को एसपी के तौर पर पदस्थ नहीं किया है। एएसपी के जिम्मे जिला है। आंजनेय वार्ष्णेय बीजापुर और धमतरी जैसे जिलों में सेवा दे चुके हैं। आंजनेय वार्ष्णेय को आठ मई को बिलासपुर रेंज आफिस में बाकायदा विदाई पार्टी भी दी गई, लेकिन जिले को अनाथ छोड़ दिया गया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ है तो छोटा जिला, पर जिला तो जिला है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए सरकार ने ही सहमति दी होगी, ऐसे में उनके जाने के बाद किसी की पोस्टिंग सरकार की प्राथमिकता में होनी थी। अब सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के लोगों को नए एसपी की पोस्टिंग का इंतजार है। बताते हैं 2020 बैच के आईपीएस एसपी पद पर पोस्टिंग के इंतजार में हैं। अब देखते हैं 2020 वाले किसी आईपीएस का भाग्य चमकता है क्या ?

जून में एसपी में फेरबदल संभव

अब कई जिलों के एसपी बदले जाने की चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि एसपी में फेरबदल काफी दिनों से चर्चा में है, पर पोस्टिंग आर्डर अब तक नहीं निकला है। माना जा रहा है कि 10 जून को सुशासन तिहार समाप्त होने के बाद एसपी की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। माना जा रहा है कि इस लिस्ट में कुछ आईजी और एडीजी स्तर के अधिकारी भी इधर से उधर हो सकते हैं। बस्तर के आईजी पी सुंदरराज को वहां काफी साल हो गए हैं। अब बस्तर में नक्सलवाद समाप्त हो गया है तो सुंदरराज की पोस्टिंग बदलने की खबर है। कुछ लोग पी सुंदरराज के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में जाने की भी अटकलें लगा रहे हैं।

क्या अरुण साव की घेराबंदी ?

उपमुख्यमंत्री अरुण साव के लोक निर्माण और नगरीय प्रशासन विभाग में 2005 बैच के दो अफसरों की पोस्टिंग की गई है। लोक निर्माण विभाग का सचिव मुकेश बंसल को बनाया गया है। मुकेश बंसल अब तक वित्त संभाल रहे थे। नगरीय प्रशासन में आर शंगीता को सचिव के तौर पर पदस्थ किया गया है। आर शंगीता को आबकारी से हटाकर अरुण साव के विभाग में भेजा गया है। राज्य के वित्त मंत्री ओपी चौधरी 2005 बैच के आईएएस रहे हैं। चौधरी और बंसल की ट्यूनिंग अच्छी बताई जाती है। ऐसे में मुकेश बंसल को वित्त से हटाकर पीडब्ल्यूडी में भेजा जाना चर्चा का विषय बन गया है। कहा जा रहा है कि राज्य में सड़कों की दुर्दशा को सुधारने के लिए तेजतर्रार अफसर मुकेश बंसल को भेजा गया है। बताते हैं अगले विधानसभा चुनाव से पहले सरकार सड़कों को दुरुस्त कर अपनी छवि को सुधार लेना चाहती है। वैसे मुकेश बंसल से वित्त विभाग अलग किया गया है, पर जीएसटी उनके पास ही है। 2005 बैच के अफसरों को ओपी का करीबी माना जाता है। अब ओपी चौधरी के करीबी अफसरों को अरुण साव के विभाग में भेजे जाने को लोग कई नजरिये से देख रहे हैं।

कांग्रेस में खींचतान

लगता है प्रदेश कांग्रेस में अध्यक्ष को लेकर घमासान मचना शुरू हो गया है। पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए काफी समय से प्रयासरत हैं। अब वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकाल 10 जून को समाप्त होने वाला है,उससे पहले प्रदेश अध्यक्ष के लिए नेताओं में संघर्ष दिखाई पड़ने लगा है। करीब तीन साल पहले मोहन मरकाम को हटाकर दीपक बैज को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। तब दीपक बैज बस्तर के सांसद थे। बताते हैं तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनवाया था। कहा जा रहा है कि भूपेश बघेल ने महिला कांग्रेस अध्यक्ष अपनी समर्थक को बनवा दिया और अब प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर भी अपना आदमी चाहते हैं। अब वे दीपक बैज के लिए हामी भरेंगे या नहीं, यह तो समय बताएगा। पर लोगों का मानना है कि टी एस सिंहदेव के लिए तो राजी नहीं होंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कोई पत्ता नहीं खोला है। संतुलन बनाकर चल रहे हैं। पर एक बात तो साफ़ है कि प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी के लिए कांग्रेस के भीतर युद्ध छिड़ गया है।

लगेगा अरुण पांडे पर दांव ?

कहा जा रहा है कि सरकार ने अरुण पांडे को पीसीसीएफ और वन बल प्रमुख बनाने का मन बना लिया है। अभी डीपीसी नहीं हो पाएगी तो प्रभारी बनाकर चार्ज दे दिया जाएगा और बाद में डीपीसी कर ली जाएगी। भाजपा की सरकार पिछली सरकार की तरह किसी जूनियर को पीसीसीएफ बनाने के पक्ष में नहीं है। अरुण पांडे से वरिष्ठ कुछ वन अफसर हैं, पर उनकी सेवा अवधि कम होने से सरकार उन पर दांव नहीं चलना चाहती। इस कारण अरुण पांडे के लिए लाइन क्लियर बताई जा रही है।